mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-04 अंक-201 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
21 जुलाई 2024 रविवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा से एक साथ प्रकाशित

जब पुरुष टीम ...
@ पेज 7

कमाई में केसीआर, खर्चे में ममता की पार्टी सबसे आगे

20 रीजनल पार्टियों का खर्च आय से ज्यादा,एडीआर की रिपोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) खर्च के मामले में देश की सबसे बड़ी रीजनल पार्टी है। फाइनेंशियल ईयर 2022-23 में पार्टी की कमाई 333.45 करोड़ रुपए थी, जबकि खर्च 181.1 करोड़ रुपए किए। वहीं, कमाई के मामले में तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) की पार्टी भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) टॉप पर रही। 2022-23 में पार्टी की कमाई 737 करोड़ रुपए रही, जबकि खर्च के 57.47 करोड़ रुपए रहा। आंध्र प्रदेश के पूर्व सीएम

जगन मोहन रेड्डी की पार्टी वायएसआर कांग्रेस कमाई के मामले में तीसरे और खर्च के मामले में दूसरे नंबर पर रही। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) ने अपनी हालिया रिपोर्ट में देश की 57 में से 39 रीजनल पार्टियों की कमाई और खर्च का ब्योरा जारी किया है। चुनाव आयोग के नियमों के अनुसार, सभी पार्टियों को अपनी सालाना आय-व्यय की रिपोर्ट आयोग का सौंपनी होती है। एडीआर की रिपोर्ट के मुताबिक, फाइनेंशियल ईयर 2022-23 में 39 क्षेत्रीय पार्टियों की कुल आय एक हजार 740 करोड़ रुपए थी जो पिछले साल 2021-22 की तुलना में 20 करोड़ रुपए अधिक है। वहीं पार्टियों का खर्च केवल 481 करोड़ रुपए ही रहा। यानी कमाई के मुकाबले खर्च कम है।

धारावी पर आक्रामक हुए उद्धव ठाकरे, बोला हमला

कहा-मोदी-शाह की 'लड़का मित्र' योजना मुंबई को अडानी सिटी बनाने की साजिश

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह धारावी की जमीन अडानी के गले में डालकर मुंबई को अडानी सिटी बनाने की साजिश कर रहे हैं। उद्धव ने कहा कि सरकार की लड़का मित्र या लड़का कॉन्ट्रैक्टर या लड़का उद्योगपति योजना चल रही है। लेकिन उद्धव ठाकरे ने यह रुख अपनाया कि धारावी के एक भी निवासी को वहां से नहीं हटाया जाएगा। शनिवार दोपहर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए उद्धव ठाकरे ने एकनाथ शिंदे सरकार पर हमला बोला। उद्धव ठाकरे ने कहा कि चुनाव सामने आते ही झूठी घोषणाओं की बारिश हो रही है। योजना तब भी शुरू की गई जब लाडली बहन-भाई आदि शुरू हुए।

यूपीएससी चेयरमैन मनोज सोनी ने दिया इस्तीफा

पिछले साल अध्यक्ष बने थे, 5 साल का कार्यकाल बाकी था

मनोज सोनी बोले- इसका पूजा खेडकर विवाद से संबंध नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूपीएससी (संघ लोक सेवा आयोग) के अध्यक्ष मनोज सोनी ने निजी कारणों का हवाला देते हुए इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने कहा है कि इस्तीफे के बाद सामाजिक और धार्मिक कामों पर ध्यान देंगे। उन्होंने 14 दिन पहले अपना इस्तीफा कार्मिक विभाग को भेजा था, इसकी जानकारी शनिवार (20 जुलाई को) सामने आई है। अभी इस्तीफा स्वीकार नहीं हुआ है। उनका कार्यकाल मई 2029 तक था। उन्होंने 16 मई 2023 को यूपीएससी के अध्यक्ष के

रूप में शपथ ली थी। इस्तीफे की जानकारी आने के बाद मनोज सोनी ने कहा है कि उनका इस्तीफा ट्रेनी आईएएस पूजा खेडकर के विवादों और आरोपों से किसी भी तरह से जुड़ा नहीं है। वहीं, कांग्रेस लीडर और राज्यसभा सांसद जयराम रमेश ने चेयरमैन के इस्तीफे पर कहा है कि उन्हें एनटीए से जुड़े विवादों के बीच पद से हटाया गया है। उन्होंने कहा कि 2014 से अब तक लगातार संवैधानिक बॉडी की शुचिता बुरी तरह प्रभावित हुई है।

नीट यूजी का सिटी और सेंटर वाइज रिजल्ट जारी

18 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट ने दिया था आदेश,अगली सुनवाई 22 को

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी यानी एनटीए ने 20 जुलाई को नीट यूजी एग्जाम का सिटी और सेंटरवाइज रिजल्ट जारी कर दिया। रिजल्ट ऑफिशियल वेबसाइट पर रिलीज हुआ है। इसमें कैंडिडेट्स की पहचान जाहिर नहीं की गई है। 18 जुलाई को नीट विवाद पर सीजेआई की बेंच के सामने हुई तीसरी सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में हुई थी। कोर्ट ने एनटीए को निर्देश दिया था कि सभी कैंडीडेट्स के रिजल्ट शनिवार दोपहर 12 बजे तक वेबसाइट पर अपलोड किए जाएं। कोर्ट ने कहा था– रिजल्ट अपलोड करते वक्त उम्मीदवार की पहचान जाहिर ना की जाए। हम सोमवार 22 जुलाई को सुबह 10.30 बजे अगली सुनवाई शुरू करेंगे। ताकि दोपहर तक हम निष्कर्ष निकाल सकें। हम बिहार पुलिस रिपोर्ट की एक कॉपी भी चाहते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार तक काउंसलिंग पर रोक लगाने से भी इनकार किया था। सुनवाई के दौरान सरकार की तरफ से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा था– काउंसलिंग में कुछ समय लगेगा। यह 24 जुलाई के आसपास शुरू होगी। सीजेआई ने कहा – हम सोमवार को ही सुनवाई करेंगे।

संक्षिप्त समाचार

केजरीवाल की हेल्थ को लेकर टेंशन में एलजी सक्सेना

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल तिहाड़ जेल में हैं। वहीं केजरीवाल की सेहत को लेकर लगातार विवाद जारी है। इस बीच उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने मुख्य सचिव नरेश कुमार को पत्र लिखा है। इस पत्र में तिहाड़ जेल अधीक्षक की एक रिपोर्ट का जिक्र करते हुए एलजी ने मुख्यमंत्री की सेहत को लेकर चिंता जाहिर की है। उन्होंने निर्धारित भोजन और दवाएं न लेने को लेकर सवाल भी उठाए हैं। एलजी ने कहा है कि मुख्य सचिव इस बात का पता लगाएं।

बांग्लादेश में आरक्षण के खिलाफ हिंसा, 105 की मौत

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश में सरकारी नौकरियों में आरक्षण बहाली के सुप्रीम कोर्ट के आदेश के खिलाफ हिंसा जारी है। इस पर काबू पाने के लिए सरकार ने पूरे देश में कर्फ्यू लगा दिया है। प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग पार्टी के जनरल सेक्रेटरी ओबैदुल कादर ने शुक्रवार देर रात कर्फ्यू लगाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि हिंसा

काबू करने के लिए सेना को तैनात किया गया है। शुक्रवार को पुलिस और सुरक्षाकर्मियों ने प्रदर्शनकारियों पर गोलीबारी की। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि इसमें 105 लोग मारे गए हैं। बांग्लादेश में बढ़ते तनाव के बीच अब तक 778 भारतीय स्टूडेंट्स अपने घर लौट आए हैं। ढाका यूनिवर्सिटी को अगले आदेश तक के लिए बंद दिया है।

घाटी पर पाकिस्तान के साथ आया तुर्की दी साइबर आर्मी

अंकारा (एजेंसी)। तुर्की की सरकार ने भारत को हथियार निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया है। इसे लेकर कोई आदेश नहीं दिया गया है। लेकिन जब भी तुर्की की कोई कंपनी भारत से जुड़े ग्राहक को हथियार बेचना चाहती है तब-तब एर्दोगन की सरकार मंजूरी नहीं देती। तुर्की सरकार के एक अधिकारी ने संसद के

सामने यह खुलासा किया। अधिकारी ने बताया कि जब भी एक ग्राहक भारत से जुड़ा होता है तो किसी भी छोटे पार्ट्स का अप्रूवल नहीं दिया जाता है। पाकिस्तान को फायदा पहुंचाने के लिए तुर्की ऐसा कर रहा है। पिछले एक दशक में तुर्की और भारत के संबंधों में खटास देखी जा रही है। तुर्की का पाकिस्तान की ओर झुकाव बढ़ा है। तुर्की पाकिस्तान का पक्ष लेने के लिए तैयार है।

गुजरात में 'जल' जला, यूपी में एनडीआरएफ की तैनाती

11 राज्यों में भारी बारिश की चेतावनी,नागपुर में स्कूल-कॉलेज बंद

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुजरात के पोरबंदर में गुरुवार-शुक्रवार को 36 घंटे में 565 मिमी बारिश हुई। इससे कई निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति बन गई। मौसम विभाग ने यहां आज भी भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। उधर, उत्तर प्रदेश के बहराइच में घाघरा नदी का जलस्तर बढ़ने से खेतों में काम कर रहे करीब 100 लोग फंस गए। 3 घंटे तक रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर उन्हें सुरक्षित निकाला गया। इधर, गंगा का जलस्तर बढ़ने के कारण वाराणसी के घाटों पर एनडीआरएफ को तैनात किया गया है। महाराष्ट्र के ठाणे और मुंबई समेत कई जिलों में देर रात और सुबह तेज बारिश हुई। नागपुर में स्कूल-कॉलेजों की आज की छुट्टी कर दी गई है। यहां ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग ने आज 20 जुलाई के लिए 11 राज्यों में बहुत भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। मुंबई में देर रात और सुबह तेज बारिश के कारण कई निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति बन गई है।

आतंकियों की मौजूदगी का शक, जम्मू में सख्त हुई सुरक्षा

500 स्पेशल पैरा कमांडो तैनात, 50-55 पाकिस्तानी आतंकी कर रहे साजिश

नई दिल्ली/श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू में बढ़ते आतंकी हमलों के बीच भारतीय सेना ने लगभग 500 पैरा स्पेशल फोर्स कमांडो को तैनात किया है। रक्षा सूत्रों ने न्यूज एजेंसी को बताया कि जम्मू रीजन में पाकिस्तान के 50-55 आतंकियों के छिपे होने की आशंका है। ये भारत में फिर से टेरर नेटवर्क ऐक्टिव करने के लिए घुसे हैं। सेना को इससे जुड़े इंटेलीजेंस इनपुट मिले हैं, जिसके बाद उन्होंने मोर्चा संभाल लिया है। इंटेलीजेंस एजेंसियां भी आतंकियों का समर्थन करने वाले ओवरग्राउंड वर्कर्स और इन्फ्रास्ट्रक्चर को खत्म करने के लिए काम कर रहे हैं। रक्षा सूत्रों के मुताबिक, जम्मू में घुसपैठ कर रहे आतंकी हाई लेवल ट्रेनिंग लेकर आए हैं।

उनके पास आधुनिक हथियार और उपकरण हैं। सेना इन आतंकियों की तलाश और उन्हें खत्म करने की रणनीति पर काम कर रही है। आतंकियों से मुकाबला करने के लिए सेना पहले ही 3500 से 4000 सैनिकों की अपनी ब्रिगेड उतार चुकी है। इसके अलावा जम्मू में सेना के पास पहले से ही एक काउंटर-टेररिस्ट इन्फ्रास्ट्रक्चर है, जिसमें रोमियो

और डेल्टा फोर्सेज के साथ-साथ राष्ट्रीय राइफल्स की दो फोर्सेज शामिल हैं। जम्मू रीजन में सेना ने 20 साल पहले पाकिस्तान परस्त आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा के जिस लोकल नेटवर्क को सख्ती से निष्क्रिय कर दिया था, वो पूरी ताकत से फिर ऐक्टिव हो गया है।

पहले ये लोग आतंकियों का सामान ढोने का काम करते थे, अब उन्हें गांवों में ही हथियार, गोला बारूद और खाना-पीना दे रहे हैं। बीते दिनों जिन 25 संदिग्धों को हिरासत में लिया गया था, उन्होंने पूछताछ में इसके सुराग दिए हैं। यह नेटवर्क जम्मू के 10 में से नौ जिलों राजौरी, पुंछ, रियासी, ऊधमपुर, कठुआ, डोडा, किश्तवाड़, जम्मू और रामबन में जम चुका है। जम्मू-कश्मीर के पूर्व डीजीपी एसपी वैद्य के मुताबिक, आर्टिकल 370 हटने के बाद से ही पाकिस्तान आर्मी और लश्कर ने जम्मू को टारगेट करना शुरू कर दिया था। उसने दो साल में इस नेटवर्क को सक्रिय किया। इन्हीं की मदद से आतंकियों ने हमला किया था।

बिहार में लॉ-एंड-ऑर्डर को लेकर सड़क पर विपक्ष

पटना (एजेंसी)। बिहार में लगातार बढ़ती आपराधिक घटनाओं व लचर कानून व्यवस्था के खिलाफ इंडिया गठबंधन ने प्रतिरोध मार्च निकाला है। इंडिया ब्लॉक के कार्यकर्ता बिहार के अलग-अलग जिलों में प्रदर्शन किया। पटना में इनकम टैक्स चौराहे से मार्च शुरू होकर डाकबंगला चौराहे पर खत्म हो गया। इस मार्च में राजद-कांग्रेस, माले और सहयोगी दलों के कार्यकर्ताओं ने नीतिश सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को रोकने की कोशिश की। लेकिन इनकम टैक्स गोलंबर पर बैरिकेडिंग तोड़

प्रदर्शनकारी आगे बढ़ गए। हालांकि, इस प्रदर्शन से बड़े कद के नेताओं ने दूरी बनाई। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश सिंह के अलावा अन्य पार्टियों से कोई बड़ा चेहरा शामिल नहीं हुआ। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश सिंह कहा कि बिहार में जो लॉ एंड ऑर्डर की व्यवस्था है, इसमें कई पत्रकारों की भी हत्या हो चुकी है। 4-5 ब्यूरोक्रेट्स से सरकार चला रहे हैं। लोगों को भगवान के भरोसे छोड़ दिया गया है। लालू सरकार में भी इस तरह से हत्या नहीं हो रही थी।

पथराव, आगजनी, तोड़फोड़ और लाठीचार्ज

कश्मीर के बारामूला में पानी की कमी से 'युद्ध' जैसे हालात

बारामूला में हजारों लोग सड़कों पर उतरे,जमकर किया प्रदर्शन

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिला इन दिनों जल रहा है। लोग सड़कों पर हैं, धरना-प्रदर्शन हो रहे हैं। शुक्रवार को तो हजारों लोग हाईवे पर उतर आए और घंटों हाइवे जाम रहा। भारी पुलिस फोर्स पहुंचा और लोगों को हटाने के लिए कई बार ऐलान किया। प्रदर्शन हिंसक हो गया।

आगजनी, पथराव और लाठी चार्ज तक हुआ। बारामूला में यह सब सिर्फ पीने के पानी की कमी के कारण हुआ। प्रदर्शनकारियों के पथराव किये जाने पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं के निजी सुरक्षा अधिकारी (पीएसओ) भी घायल हो गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि पट्टन के मीरगुंड इलाके में श्रीनगर-बारामूला राजमार्ग पर प्रदर्शन किया है।

भीड़ ने अपने वाहन से गुजर रहे भाजपा के कश्मीर मीडिया प्रभारी साजिद यूसुफ शाह और पार्टी के सोशल मीडिया प्रभारी साहिल बशीर पर हमला किया। बीजेपी ने कहा कि हमले में वाहन क्षतिग्रस्त हो गया और दोनों नेताओं के पीएसओ गंभीर रूप से घायल हैं जिन्हें अस्पताल ले जाया गया। बारामूला के कई इलाके हैं, जहां पीने का पानी नहीं मिल रहा है। जनवरी से ही पानी की कमी हो गई थी लेकिन अब गर्मी के मौसम में यह समस्या और बढ़ गई है। भीषण गर्मी के बीच उत्तरी कश्मीर के बारामूला जिले के कनिस्पोरा क्षेत्र के निवासियों को पानी की कमी के कारण भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। सिंचाई विभाग ने बताया कि अनंतनाग जिले के संगम में झेलम नदी सूख गई है।

पूजा खेडकर केस में अब दिल्ली पुलिस की एंट्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूपीएससी 2022 की परीक्षा में सफलता हासिल करने वाली आईएएस अफसर पूजा खेडकर को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। यूपीएससी ने उनसे पूछा है कि उनकी उम्मीदवारी क्यों न रद्द कर दी जाए। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच इस बात की भी जांच करेगी कि खेडकर ने पुणे के श्रीमती काशीबाई नवले मेडिकल कॉलेज में घुमंतू जनजाति-3 कैटेगरी में आरक्षण का लाभ उठाकर एमबीबीएस सीट कैसे प्राप्त की। पूजा खेडकर पर यूपीएससी परीक्षा में फर्जीवाड़ा करने का आरोप है। मामले की जांच दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच करेगी। पूजा खेडकर पर आईपीसी की धारा 420, 464, 465 और 471 के तहत मामला दर्ज किया गया है। साथ ही, उन पर विकलांग व्यक्ति अधिकार अधिनियम की धारा 89 और 91 के तहत जांच होगी।

संक्षिप्त समाचार

एम.पी. ट्रांसको में टेक्निकल नॉलेज शेयरिंग पर हुई प्रदेश स्तरीय कार्यशाला

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। एम.पी. ट्रांसको (मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी) के मुख्यालय जबलपुर में टेक्निकल नॉलेज शेयरिंग थीम पर कार्यशाला का दूसरा चरण संपन्न हुआ। इसमें प्रदेश के लगभग 25 असिस्टेंट एवं जूनियर इंजीनियर्स ने हिस्सा लिया। दो दिवसीय कार्यशाला के प्रारंभिक सत्र को संबोधित करते हुये एम.पी. ट्रांसको के प्रबंध संचालक इंजी. सुनील तिवारी ने कहा कि कार्यशाला के पहले चरण के सकारात्मक परिणाम मिले हैं। उन्होंने आहवान किया कि सीनियर्स कार्मिक संस्थान में कार्यरत दूसरी पीढ़ी के कार्मिकों से अपने अनुभव, ज्ञान और विशेषज्ञता को साझा करने की प्रेक्टिस डालें। उन्होंने कहा कि इससे एम.पी. ट्रांसको के नॉलेज शेयरिंग अभियान का उद्देश्य पूरा हो सके। प्रबंध संचालक ने कहा कि म.प्र. पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के उत्कृष्ट संचालन के लिये सैद्धांतिक नॉलेज के साथ प्रेक्टिकल नॉलेज भी बहुत जरूरी है, जिसे हासिल करने के बाद ही फील्ड में इंजीनियर्स दक्षतापूर्वक अपने नॉलेज और टैलेंट का उपयोग कर सकेंगे। प्रबंध संचालक इंजी. तिवारी ने कार्यशाला में उपस्थित सभी इंजीनियर्स से आहवान किया कि वे अपने कार्य क्षेत्र के साथ अपने आसपास की दूसरी लाइनों/सब-स्टेशनों पर भी नजर रखें और जरूरत पड़ने पर प्रो-एक्टिव होकर वहाँ भी अपने से काम करने में रूचि दिखायें। अधीक्षण अभियंता श्री एम.वाय. मंसूरी, और अन्य विशेषज्ञ इंजीनियर्स ने इस कार्यशाला के सहभागियों को सबस्टेशन मेंटनेन्स, सबस्टेशन ऑपरेशन, ट्रांसमिशन लाइन मेंटनेन्स और विभिन्न एलिमेंटस की टेस्टिंग से संबंधित महत्वपूर्ण तकनीकी जानकारियां साझा की। कार्यशाला में उपस्थित सहभागियों की विभिन्न जिज्ञासाओं का समाधान भी किया।

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने अटल गृह ज्योति योजना में दी 125 करोड़ से अधिक की सब्सिडी

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर के निर्देशानुसार शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता वाली अटल गृह ज्योति योजना का मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी में प्रभावी व पारदर्शिता के साथ क्रियान्वयन किया जा रहा है। पिछले एक माह के दौरान मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी में 25 लाख 14 हजार रूपये से ज्यादा घरेलू उपभोक्ताओं को 125 करोड़ 83 लाख रूपए से अधिक की सब्सिडी दी गई है। सबसे ज्यादा शिवपुरी जिले के उपभोक्ताओं को 11 करोड़ 47 लाख रूपए से अधिक की सब्सिडी दी गई है। वहीं दूसरे नंबर पर भिण्ड जिला रहा है, जहां 11 करोड़ 15 लाख से अधिक की सब्सिडी दी गई है। इसी तरह भोपाल जिले के उपभोक्ताओं को 11 करोड़ 5 लाख, हरदा के उपभोक्ताओं को 2 करोड़ 57 लाख, बैतूल जिले के उपभोक्ताओं को 9 करोड़ 56 लाख रूपए से अधिक की सब्सिडी दी गई है। यह सब्सिडी पिछले एक माह में घरेलू श्रेणी के उपभोक्ताओं को दी गई है। इसी तरह की सब्सिडी अन्य जिलों के घरेलू उपभोक्ताओं को भी प्रदान की गई है। इन उपभोक्ताओं के बिल पर सब्सिडी का स्पष्ट उल्लेख भी होता है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने बताया कि दैनिक 5 यूनिट अधिकतम खपत एवं माह में 150 यूनिट तक खपत वाले उपभोक्ता इस योजना की पात्रता रखते हैं। इन्हें प्रथम सौ यूनिट तक बिजली 100 रूपए में दी जाती है। शेष 50 यूनिट का बिल मौजूदा टैरिफ की दर से तैयार होता है। तीस दिन में 150 यूनिट से ज्यादा खपत करने वाले उपभोक्ता को माह विशेष में सब्सिडी की पात्रता नहीं रहती है।

नगरीय प्रशासन मंत्री श्री विजयवर्गीय होंगे मुख्य अतिथि

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग, भोपाल का 30 वां स्थापना दिवस आगामी 13 सितम्बर, 2024 (शुक्रवार) को आर.सी.व्ही.पी. नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी, भोपाल के ऑडिटोरियम हाल में आयोजित होगा। मानव अधिकार आयोग के स्थापना दिवस समारोह की तैयारियों के संबंध में अधिकारियों को बैठक में आयोग के अध्यक्ष श्री मनोहर ममतानी ने यह जानकारी दी। आयोग के अध्यक्ष श्री ममतानी ने आयोग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि नगरीय सुशासन-मानव अधिकार विषय पर आधारित स्थापना दिवस समारोह की तैयारियाँ समय पर पूर्ण कर ली जाये। उन्होंने कहा कि नगरीय प्रशासन विभाग के प्रमुख सचिव के साथ बैठक कर कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की जाए। श्री ममतानी ने कहा कि नगरीय सुशासन को मानव अधिकार से लिंक किया जाए। उन्होंने जनहित के मुद्दे को शामिल करते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार करने के लिए कहा। श्री ममतानी ने बताया कि मानव अधिकार आयोग के स्थापना दिवस समारोह के मुख्य अतिथि आवास एवं नगरीय प्रशासन मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय रहेंगे। बैठक में आयोग के सदस्य श्री राजीव कुमार टंडन, पुलिस महानिरीक्षक, रजिस्टार लॉ, उप सचिव, पुलिस अधीक्षक, शोध अधिकारी और अनुभाग अधिकारी उपस्थित रहे।

आय को बढ़ाकर आत्मनिर्भर नगर निगम बनाना सरकार की प्राथमिकता-मंत्री विजयवर्गीय

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। नगरीय निकाय एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय की अध्यक्षता में नगर पालिक निगमों के कार्यों की समीक्षा मंत्रालय में हुई। मंत्री श्री विजयवर्गीय ने निर्देशित किया कि सभी नगर निगम सौलर ऊर्जा का अधिकाधिक उपयोग किया करें। नगरीय निकाय सोलर पावर प्लांट लगा सकते हैं, इससे बिजली की बचत होगीं। उन्होंने बताया कि बजट का बड़ा हिस्सा बिजली बिल में जाता है। सौर ऊर्जा से बिजली बिल कम कर राशि को विकास कार्यों में लगा सकते हैं। प्रधानमंत्री सूर्य लक्ष्मी योजना से नगरीय निकाय, निजी भवन मालिकों को घरों पर सोलर पावर प्लांट लगाने के लिए प्रोत्साहित करें। श्री विजयवर्गीय ने कहा कि ग्रीन पॉवर में प्रदेश नम्बर 1 हो, नगर निगम अपनी आय बढ़ा कर आत्मनिर्भर बनने की दिशा में कार्य करें। विज्ञापन के माध्यम से आय वृद्धि की जा सकती हैं। पुनर्घनत्वीकरण परियोजना को नगरीय निकायों द्वारा लिया जायें और प्रक्रिया को सरल

किया जायें। शासकीय भवनों से भी सेवा कर लिया जायें। श्री विजयवर्गीय ने कहा कि सभी जनप्रतिनिधि समस्याओं के निराकरण के लिए लगातार कार्य करना चाहते हैं, यह प्रसन्नता कि बात हैं। जनभागीदारी को भी अधिकांश योजनाओं में भी बढ़ावा देने पर भी सभी महापौरगण विचार कर सकते हैं। शहर के प्रतिष्ठित नागरिकों की सूची बनाएं, जिसमें इंजीनियर, आर्किटेक्ट, प्रोफेशनल्स, कलाकार आदि सभी प्रकार के नागरिक शामिल हों। शहर के विकास में सभी को साथ लेकर चलें। हमें पूरी टीम वर्क के साथ काम करना चाहिए। निकायों के पास बहुत अधिकार हैं, इनका उपयोग शहर हित में करना चाहिये।

मंत्री श्री विजयवर्गीय ने कहा कि जनभागीदारी का सबसे अच्छा उदाहरण इंदौर शहर हैं। यहाँ पौध-रोपण कार्यक्रम में की लोगों ने लाखों पेड़ लगा दिये। सफाई से निगम की छवि बनती हैं, इसलिए सफाई के लिए विशेष ध्यान दिया जाये। कई योजनाओं में प्रदेश नम्बर 1 है तो आगे भी बना रहें। अपने क्षेत्र में ग्रीन एरिया चिन्हित कर वृक्षारोपण करायें, आने वाली पीढ़ी के लिए पर्यावरण संरक्षण बहुत आवश्यक हैं। श्री विजयवर्गीय ने कहा कि कल्याणकारी राज्य की अवधारणा पर काम करें और सहज होकर काम करें। लोगों के काम करने के लिए स्थानीय शासन की जबावदेही ज्यादा होती है। उन्होंने कहा कि आप शहरी सरकार है, अपनी शक्तियां पहचान कर कार्य करें परंतु निर्णय लोकहित में होने चाहिए।

कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री श्री जायसवाल ने किया मालखेड़ी रेशम केन्द्र का निरीक्षण

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दिलीप जायसवाल ने शुक्रवार को नर्मदापुरम जिले के मालखेड़ी स्थित रेशम विकास एवं उत्पादन केंद्र का निरीक्षण किया। श्री जायसवाल ने रेशम उत्पादन में अपनाई जाने वाली प्रक्रियाओं की विस्तार से जानकारी ली।

उन्होंने केन्द्र प्रभारी को उच्च कोटि का रेशम उत्पादन करने के निर्देश दिये। सांसद श्री दर्शन सिंह चौधरी, राज्यसभा सांसद श्रीमती माया नरौलिया सहित जन-प्रतिनिधि मौजूद रहे। एक ही स्थान पर 55 हजार पौधे लगाने की श्रृंखला में कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र

प्रभार) श्री जायसवाल ने मटकुली रेशम केन्द्र में शहतूत का पौधा लगा कर जन मानस को प्रेरित किया।

उन्होंने कहा कि नर्मदापुरम जिले में लगभग 3 लाख पौधे लगाये जायेंगे। इन सभी पौधों को हर हाल में जीवित रखने का प्रयास किया जाएगा। रेशम विकास की दिशा में विशेष प्रयासों के तहत राज्यमंत्री श्री जायसवाल ने कहा कि मटकुली रेशम केंद्र में धागाकरण मशीन भी संचालित की जायेगी।

आरटीई के तहत प्रवेश देने वाले निजी स्कूलों से मांगी गई फीस की जानकारी

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) के तहत प्रदेश के करीब 26 हजार निजी स्कूलों में 25 प्रतिशत सीटों पर गरीब एवं वंचित वर्ग के बच्चों को निश्शुल्क शिक्षा दी जाती है। इनकी फीस का भुगतान शासन की ओर से स्कूलों को किया जाता है। एक बच्चे के लिए करीब साढ़े पांच हजार रुपये निजी स्कूल को दिया जाता है। इसमें कई स्कूल विभाग ने अधिक फीस की मांग कर रहे हैं। वहीं कुछ स्कूलों की फीस कम है, लेकिन वे भी बराबर शुल्क लेते हैं।इसे देखते हुए राज्य शिक्षा ने स्कूलों से सत्र 2023-24 का फीस स्ट्रक्चर व बच्चों से ली जाने वाली फीस की रसीद मांगी है। जारी आदेश में निर्देशित किया गया कि आरटीई के तहत बच्चों को शासन की ओर से दी जाने वाली राशि नोडल अधिकारी के भौतिक

सत्यापन के बाद दिया जाएगा। जिला परियोजना समन्वयक की ओर से निरीक्षण के बाद स्कूल को राशि स्वीकृत की जाएगी। निजी स्कूलों द्वारा बच्चों का नया फोटो अपलोड किया जाए। कक्षा नर्सरी से केजी-2 के विद्यार्थियों का आधार सत्यापन,बायोमीट्रिक सत्यापन, विद्यार्थियों की उपस्थिति की जानकारी भी दी जाए। निर्देश दिए गए हैं कि स्कूल द्वारा अन्य बच्चों से ली जाने वाली वार्षिक फीस का विवरण स्कूल द्वारा दर्ज किया जाए एवं स्कूल का कक्षावार फीस स्ट्रक्चर भी अपलोड किया जाना अनिवार्य है। सत्र 2023-24 का फीस स्ट्रक्चर और अन्य बच्चों से ली जाने वाली प्रत्येक कक्षा की फीस की एक-एक रसीद की पीडीएफ फाइल बनाकर पोर्टल पर अपलोड किया जाना अनिवार्य है। स्कूल द्वारा दर्ज की गई जानकारी एवं अपलोड फीस स्ट्रक्चर में समानता होना अनिवार्य है।

पेट्रोल पर एक मशीन में मिली गड़बड़ी, नापतौल ने किया सील

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। एमपीनगर क्षेत्र में प्रगति चौराहा पर स्थित भारत पेट्रोलियम के पेट्रोल पंप की शुक्रवार को नापतौर विभाग की टीम ने जांच की। यहां पर सभी मशीनों से पेट्रोल की प्रदायगी सही होना पाया गया लेकिन एक मशीन में गड़बड़ी निकली।इससे विभाग ने एक मशीन को सील कर दिया गया है। जबकि अन्य मशीनों से पेट्रोल प्रदाय बहाल कर दिया है। नापतौर विभाग के अधिकारी राजेश पिल्लई ने बताया कि एमपीनगर स्थित भोपाल सिटी पेट्रोल पंप (पुराने प्रगति पेट्रोल पंप के स्थान पर संचालित) की जांच पड़ताल की गई।यहां पर कुल 18 नोजल से पेट्रोल प्रदाय किया जाता है।जांच में मशीनों से प्रदायगी सही मिली लेकिन एक मशीन को बिना अनुमति के प्रीसेड मोड में किया गया था। इसके द्वारा पेट्रोल दिया जा रहा था। जांच के दौरान मशीन अवमानक होना पाई गई। इससे सील किया गया है। साथ ही पेट्रोल पंप संचालक को नोटिस दिया जा रहा है। यदि समय पर सही जवाब नहीं दिया गया तो आगे की कार्रवाई की जाएगी। शिवाजी नगर निवासी बालेंद्र सिंह कुशवाहा गुरुवार रात को नौ बजे भोपाल सिटी पेट्रोल पंप (पुराने प्रगति पेट्रोल पंप के स्थान पर संचालित) पर गाड़ी में पेट्रोल भरवाने पहुंचे थे। कर्मचारी ने उन्हें जीरो दिखाए बिना पेट्रोल भरना शुरू कर दिया था। वहीं, पेट्रोल के पैसे भी ले लिए थे। जब बालेंद्र सिंह ने

पेट्रोल नापने को कहा तो पंप पर काम कर रहे एक दर्जन कर्मचारियों ने घेर लिया था। इसकी शिकायत खाद्य विभाग को की गई थी। शिकायत मिलने पर रात में ही जिला आपूर्ति नियंत्रक मीना मालाकर टीम समेत मौके पर पहुंची थी और कार्रवाई कर पंप बंद करा दिया गया था।

11 वर्षों से फरार स्थायी वारंटी व ईनामी वन्यप्राणी शिकारी अजीत पारधी

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी) एसटीएसएफ ने बताया कि विगत 11 वर्षों से फरार चल रहे ईनामी व स्थाई वारंटी आरोपी अजीत पारधी को 18 जुलाई को लालबर्रा जिला बालाघाट से गिरफ्तार किया गया। आरोपी अपने निवास स्थान से फरार रहकर वन विभाग को चकमा दे रहा था। उक्त आरोपी की गिरफ्तारी के लिये वन्यप्राणी मुख्यालय द्वारा 5000/- रूपये का ईनाम भी जारी किया गया था। स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स लगातार आरोपी को पकडने का प्रयास कर रही थी। इन्टेजिलेन्स इनपुट के अनुसार एसटीएसएफ द्वारा कार्रवाई करते हुए आरोपी अजीत को अपनी अभिरक्षा में लिया गया। आरोपी के कब्जे से वन्यप्राणी पैंगोलिन के स्केल्स से बनी करधन बरामद की गई। वन्यप्राणी अवयव की जप्ती की जाकर अग्रिम विवेचना जारी है।

आरोपी श्री अजीत पारधी वन्यजीव बाघ व पेंगोलिन स्केल्स शिकार व तस्करी में आदतन आरोपी है। जिसके विरूद्ध सीबीआई अपराध न. आर.सी. 57 बी 2009 ई 0004 वर्ष 2009, नागपुर बाघ शिकार पीओआर न. 32/13 दि. 08.06.2013 उमरेड, नागपुर वनमंडल पीओआर न. 1/23 दि. 18.09.2013, उमरेड करंडला अभ्यारण पीओआर न. 1615/20 दि. 20.10.2013 प्रकरण देश के कई राज्यों में दर्ज है। आरोपी को मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी जबलपुर के समक्ष पेश किया जायेगा। प्रकरण में विवेचना जारी है। उल्लेखनीय है कि पेंच टाइगर रिजर्व सिवनी के रूखड़ परिक्षेत्र (बफर) में वर्ष 2013 में वन्य प्राणी बाघ से संबंधित वन अपराध प्रकरण कमांक 1216/04 दिनांक 06.02.2013 पंजीबद्ध किया गया था।

मिशन कर्मयोगी के अंतर्गत क्षमता निर्माण नीति लागू करने में मध्यप्रदेश आगे

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। क्षमता निर्माण आयोग से मिले इनपुट को शामिल कर बनी क्षमता निर्माण नीति लागू करने में मध्य प्रदेश अग्रणी रहा है। सभी विभागों में क्षमता निर्माण इकाइयाँ स्थापित हो रही हैं, जो प्रशिक्षण की आवश्यकता का गहन विश्लेषण करने के बाद कैडर-वार क्षमता निर्माण योजनाएँ तैयार करेंगी। प्रत्येक विभाग क्षमता निर्माण प्रबंधकों की नियुक्ति करेंगे। उन्हें क्षमता निर्माण इकाइयों द्वारा सहयोग दिया जायेगा।

क्षमता निर्माण प्रबंधकों द्वारा वार्षिक क्षमता निर्माण योजनाएं तैयार की जाएंगी। विभिन्न विभागों में कार्यरत जनशक्ति की दक्षता दर्शाने वाला एक डैशबोर्ड तैयार किया जा रहा है, जिससे माध्यम से मुख्यमंत्री कुशल कर्मचारियों की उपलब्धता की स्थिति जान सकेंगे। मुख्य सचिव की अध्यक्षता वाली एक समिति हर छह महीने में कर्मचारियों के प्रशिक्षण के संबंध में विभागों के प्रदर्शन पर निगरानी रखेंगे, जबकि मुख्यमंत्री की अध्यक्षता वाली क्षमता निर्माण परिषद सालाना इसकी निगरानी करेगी। आरसीवीपी नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधन अकादमी, भोपाल में आज विभिन्न विभागों में मिशन कर्मयोगी के क्रियान्वयन की स्थिति पर आयोजित कार्यशाला में यह जानकारी दी गई। मिशन कर्मयोगी का उद्देश्य सरकारी कर्मचारियों के कौशल को बढ़ाना और उनकी क्षमता में निरंतर सुधार करना है। कर्मचारियों को आवश्यक प्रशिक्षण दिया जाएगा। मध्य प्रदेश क्षमता निर्माण नीति के अनुसार पदोन्नति के लिए प्रशिक्षण अनिवार्य होगा। क्षमता निर्माण नीति 2023 प्रावधानों के अनुसार प्रत्येक विभाग में वेतन बजट का एक प्रतिशत अनिवार्य रूप से कर्मचारियों के प्रशिक्षण पर खर्च किया जायेगा। यदि अधिक आवश्यकता हुई तो वित्त विभाग की अनुमति से इसे 2.5 प्रतिशत तक बढ़ाया जा सकता है। इससे प्रत्येक कर्मचारी को आवश्यक प्रशिक्षण प्राप्त होगा। क्षमता निर्माण आयोग के सचिव श्री श्यामा प्रसाद राय ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए बताया कि यह कर्मचारी से कर्मयोगी की ओर बदलाव है। इस प्रकार नियम आधारित मॉडल से भूमिका आधारित माडल बनाने की यात्रा शुरू हो गई है।यह एक वैज्ञानिक प्रक्रिया है। प्रशिक्षण की निरंतर आवश्यकता के मूल्यांकन के साथ वार्षिक क्षमता निर्माण प्लान बनाना आवश्यक हैं। उन्होंने बताया कि कार्यरत कर्मचारियों के लिए भूमिकाओं, गतिविधियों और दक्षताओं की रूपरेखा बनाना अब अनिवार्य है। सेल्फ लर्निंग पोर्टल आईगाट के 14 लाख उपयोगकर्ता हैं और पांच लाख ने इसका उपयोग कर अनिवार्य पाठ्यक्रम किए हैं। आरसीवीपी नरोन्हा प्रशासन अकादमी के निदेशक श्री एमआर खान ने बताया कि नई क्षमता निर्माण योजना में कर्मचारियों की भूमिका को अधिक सार्थक और उपयोगी बनाना है। उन्होंने बताया कि मध्य प्रदेश ने अपनी क्षमता निर्माण नीति को डिजाइन करने और लागू करने में अग्रणी भूमिका निभाई है, जिसमें क्षमता निर्माण आयोग के इनपुट शामिल हैं।

प्रशासन एवं पुलिस के अधिकारी नए आपराधिक कानून का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें-संभागायुक्त डॉ. शर्मा

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश में 1 जुलाई 2024 से नए आपराधिक कानून लागू हो गए हैं। भारतीय दंड संहिता के स्थान पर भारतीय न्याय संहिता, दंड संहिता प्रक्रिया के स्थान पर भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और इंडियन एविडेंस एक्ट के स्थान पर अब भारतीय साक्ष्य अधिनियम प्रभाव में आ गए हैं। पुलिस एवं प्रशासन के समस्त अधिकारी इनका अच्छी तरह अध्ययन कर लें, जिससे इनका जनहित में प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा सके। सभी कलेक्टर अपने-अपने जिलों में इस संबंध में प्रशिक्षण आयोजित करें। संभाग आयुक्त डॉ. पवन कुमार शर्मा ने आज कमिश्नर कार्यालय में भोपाल संभाग के प्रशासन के अधिकारियों के नए कानून के संबंध में एक दिवसीय

उन्मुखीकरण प्रशिक्षण को संबोधित किया। मास्टर ट्रेनर विधि अधिकारी पुलिस मुख्यालय श्री विजय बंसल, एडीपीओ मध्यप्रदेश पुलिस अकादमी सुश्री सुचित्रा वर्मा तथा विधि अधिकारी पुलिस आयुक्त कार्यालय डॉ. मनीषा पटेल ने प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण के दौरान एसीपी श्री अवधेश गोस्वामी, आईजी श्री अभय सिंह, भोपाल संभाग के सभी जिलों के कलेक्टर, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत, एडीएम, एसडीएम सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। कुछ अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भी प्रशिक्षण में सम्मिलित हुए! प्रशिक्षण में बताया गया कि नए कानून नागरिक केंद्रित कानून है तथा इसमें मौखिक अथवा इलेक्ट्रॉनिक संचार के माध्यम से एफआईआर दर्ज कराई जा सकती है। जीरो एफआईआर का भी प्रावधान है, अर्थात किसी भी थाने में एफआईआर दर्ज कराई जा सकती है। वहां से उसे संबंधित थाने को भेज दिया जाएगा। महिला पुलिस ही महिला पीड़िता की रिपोर्ट लिखेगी। पीड़ित और खबर देने वाले को एफआईआर की फ्री कॉपी दी जाएगी। नवीन कानून में प्रौद्योगिकी का पूरा समावेश किया गया है। ई बयान, ई अटेंडेंस, ई रिकॉर्ड और ई एफआईआर का प्रावधान है। नए कानून पीड़ित केंद्रित दृष्टिकोण से बनाए गए हैं। अब छीना झपटी के मामलों को भी संज्ञेय और गैर जमानती अपराध माना गया है। राजद्रोह को देशद्रोह में परिवर्तित किया गया है। मॉब लिंचिंग में अधिकतम सजा मृत्यु दंड रखी गई है।

जनपद पंचायत अध्यक्ष से बाघिन हटाने की रखी मांग

हाथों में तीर-कमान और भाला लेकर विरोध करने पहुंचे ग्रामीण

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। जिले के संजय टाइगर रिजर्व क्षेत्र अंर्तगत कुसमी जनपद के ग्राम पंचायत मझिगवां के चोकरी निवासी एक 58 वर्षीय वृद्ध पर बाघिन ने हमला कर अपना शिकार बना लिया था। यह घटना सोमवार शाम करीब सात बजे की बताई गई थी। बता दें कि इस घटना से आहत ग्रामीणों ने वन अमले को आदम खोर बाघिन को इस वन क्षेत्र से बाहर करने के लिए जनपद सदस्य श्यामवती सिंह को सरपंच के माध्यम से पत्र सौंपा है। शनिवार के दिन मिली जानकारी के अनुसार सरपंच के नेतृत्व में ग्रामीणों ने संजय टाइगर रिजर्व के वन अमले के प्रति नाराजगी जाहिर करते हुए जनपद को ज्ञापन सौंपा है। सौंपे गए ज्ञापन में आदम खोर बाघिन को तत्काल कुसमी के इस वन क्षेत्र से हटाने की मांग की गई है।

बता दें कि इस वन क्षेत्र अंर्तगत आए दिन जंगली जानवरों के हमले की सूचना मिलती रहती है लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा इस तरह की जनहानि को रोकने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा है। जबकि बाघ, बाघिन के साथ-साथ तेंदुए, हाथियों के हमले से अकारण सैकड़ों लोगों की जान जा चुकी है।

जनपद अध्यक्ष कुसमी श्यामवती सिंह पीड़ित परिवार से मिलने चोकरी गांव पहुंची हुई थी। जनपद अध्यक्ष ने पीड़ित परिवार को अनाज एवं सांत्वना के लिए नकद राशि देकर परिवार के दुख दर्द मे शामिल हुईं। जैसे ही यह जानकारी ग्राम पंचायत के ग्रामीणों को हुई सभी ग्रामीण बाघिन के विरोध में हाथों में भाला, धनुष जैसे घातक हथियार के साथ जनपद अध्यक्ष के पास पहुंच गए और बाघिन हटाओ के नारे लगाने लगे।

वन अधिकारियों से बाघिन को शिफ्ट करने को कहा: पूरे मामले पर जनपद अध्यक्ष कुसमी श्यामबती सिंह ने जानकारी देते हुए बताया है कि ग्रामीणों में नाराजगी और गुस्सा था। हमने किसी तरह ग्रामीणों को समझाइश दी। कलेक्टर और वन अधिकारियों से बात करके बाघिन को अन्यत्र स्थान पर शिफ्ट करने के लिए कहा है।

प्रतिबंध के बाद भी रेत का अवैध खनन जारी

ब्यौहारी पुलिस ने 2 और बुढ़ार पुलिस एक ट्रैक्टर किया जब्त, 2 चालक गिरफ्तार, एक फरार

मीडिया ऑडीटर, शहडोल निप्र। नदियों से रेत खनन पर प्रतिबंध होने के बाद भी धड़ल्ले से नदियों से रेत निकला जा रहा हैं। शहडोल जिला पुलिस ने 2 अलग-अलग ट्रैक्टर को रेत का अवैध खनन करते हुए जब्त किया हैं। ब्यौहारी थाना क्षेत्र के वन विहार के समीप रेत का अवैध परिवहन करते दो ट्रैक्टरों को पुलिस ने जब्त किया है, जिसमें दो चालकों को पुलिस ने गिरफ्तार कर कार्रवाई की है।

इसी तरह बुढार पुलिस ने रुंगटा मार्ग से रेत का अवैध परिवहन करते एक ट्रैक्टर को जब्त किया है। ब्यौहारी थाना प्रभारी अरूण पांडे ने बताया कि बरकछ गांव से अवैध रेत लोड कर दो ट्रैक्टर नगर की ओर आ रहे थे, जिसे वन विहार के पास पुलिस ने छापा मार कार्रवाई कर जब्त किया हैं।

ट्रैक्टर में चालक लवकेश कोल और सोनू कोल को गिरफ्तार किया गया है, गिरफ्तार चालकों से पुलिस ने जब पूछताछ की तो आरोपी ने बताया कि यह दोनों ट्रैक्टर एक ही मालिक के हैं। जिन्हें सोनू ओर लोकेश चलते हैं। इसी तरह बुढार पुलिस ने बताया कि रुंगटा मार्ग में रेत से भरे एक ट्रैक्टर को जब्त किया है, जिसमें चोरी की रेत लोड है, पुलिस को देखकर चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने अज्ञात चालक और मलिक के विरुद्ध मामला दर्ज किया हैं, लगातार पुलिस चालक व मालिक की तलाश कर रही है।

जिले में 99 मिलीमीटर कम हुई बारिश

तेज धूप और भीषण गर्मी से लोग परेशान, जिला अस्पताल में हर दिन पहुंच रहे सैकड़ों मरीज

मीडिया ऑडीटर, शहडोल निप्र। जिले में बारिश नहीं होने से किसान और रहवासी परेशान हैं। शनिवार को तेज धूप ने दिनभर लोगों को परेशान किया। लोग उमस भरी गर्मी से तंग दिखे। अचानक बारिश बंद होने से इसका असर अब अस्पतालों में दिखने लगा है। जिला अस्पताल की ओपीडी में हर दिन लगभग एक हजार लोग इलाज के लिए पहुंच रहे हैं। अधिकांश मरीज मौसमी बीमारी से ग्रसित है। जिसमें उल्टी, दस्त, पेट, दर्द, बुखार, चर्म रोग के मरीज शामिल हैं। अस्पताल में अचानक मरीज बढ़ने के कारण उन्हें जमीन पर लिटाकर उपचार किया जा रहा है।

अब तक 99 मिलीमीटर कम हुई बारिश: भू अभिलेख शाखा के अनुसार जिले में अब तक पिछले साल की तुलना में 99 मिलीमीटर कम बारिश हुई है। 19 जुलाई 2023 को जिले में 365.7 मिली मीटर बारिश दर्ज की जा चुकी थी। वहीं 19 जुलाई 2024 तक जिले में सिर्फ 266.6 मिलीमीटर बारिश ही दर्ज की गई है। भू अभिलेख शाखा के अनुसार जिले में कम बारिश का असर अब खेती किसानी में भी देखने को मिल रहा है।

उल्टी-दस्त के मरीज बढ़ रहे: मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर अशोक कुमार लाल ने बताया कि मौसम परिवर्तन के कारण जिले के हर क्षेत्र में उल्टी-दस्त और बुखार के दो चार मरीज सामने आ रहे हैं। जो सामान्य तौर पर एक दो दिन के उपचार के बाद ठीक हो जाते हैं। उल्टी-दस्त पीड़ित मरीज के शरीर में पानी की कमी हो जाती है, जिसे पूरा करने भर्ती कर उपचार किया जाता है।

पहले से कर ली गई है तैयारी: सिविल सर्जन डॉ. जीएस परिहार ने बताया कि मौसमी बीमारी के अधिकांश मामले जुलाई से सितंबर माह में बढ़ते हैं। जिसके लिए अस्पताल में तैयारी पहले से ही की जा चुकी है। स्वास्थ्य विभाग मैदानी अमले में भी दस्तक अभियान के तहत मरीजों को चिन्हित कर चुका है।

करंट लगने से युवक की मौत

हाईवे का डिवाइडर पार करते समय हादसा, नगर परिषद और पुलिस ने मिलकर की मामले में लीपापोती

मीडिया ऑडीटर, शहडोल निप्र। नगर परिषद बकहो अंतर्गत अंग्रेजी शराब दुकान के सामने नेशनल हाईवे 43 के डिवाइडर को पार करते समय एक युवक करंट की चपेट में आ गया। जिससे उसकी घटना स्थल ही दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद नगर परिषद बकहो और अमलाई पुलिस ने मामले में लीपापोती करते हुए लापरवाही को दबा दिया।

पुलिस की मौजूदगी में शनिवार को मृतक के परिजनों को शांत करने के लिए नगर परिषद अध्यक्ष और उपाध्यक्ष ने निजी तौर पर उन्हें नकद 4 लाख रुपए दे दिए। इसके अलावा नगर परिषद में अस्थाई रोजगार देने का वादा किया। वहीं दूसरी ओर अमलाई पुलिस ने मामले में मार्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

डिवाइडर के पास लटक रहा था तार: अमलाई पुलिस ने बताया कि वार्ड क्रमांक 3 बकहो के रहने वाले चंदन केवट अंग्रेजी शराब दुकान के सामने से रेलिंग पार कर रहा था। इस दौरान वहा लगे स्ट्रीट लाइट में दौड़ रहे करंट की चपेट में आने से चंदन की तड़प तड़प के मौत हो गई। मृतक के परिजनों ने घटना स्थल में हंगामा भी किया था। इसके बाद अमलाई पुलिस की समझाइश के बाद परिजन शव को उठाने और पीएम कराने के लिए तैयार हुए।

समझाइश के बाद परिजन ने किया अंतिम संस्कार: शनिवार की दोपहर परिजन पोस्ट मार्टम के बाद हंगामे की तैयारी में थे। इसकी जानकारी पुलिस और नगर परिषद प्रबंधन को थी। नगर पालिका अध्यक्ष और उपाध्यक्ष ने अक्रोशित परिजनों को फिर समझाइश दी। जिसके बाद परिजनों ने शव का अंतिम संस्कार किया।

मर्ग कायम कर जांच शुरू: इस पूरे मामले में अमलाई थाना प्रभारी जेपी शर्मा का कहना है कि करंट की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत का मामला सामने आया है। जिस पर मर्ग कायम कर मामले की जांच की जा रही है। अभी नगर परिषद ने मृतक के परिजनों को 4 लाख रुपए की सहायता राशि दी है।

किसान भाई प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत बीमा करा सकते हैं: उप संचालक कृषि

अंतिम तिथि 31 जुलाई

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। उप संचालक कृषि ने जानकारी देकर बताया है कि सीधी जिले के किसान 31 जुलाई 2024 तक अपनी खरीफफसल का बीमा करा सकते हैं। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत किसान भाई जिले में एग्रीकल्चर इन्श्योरेंस कम्पनी ऑफइण्डिया लिमिटेड के माध्यम से अपनी खरीफफसलों का बीमा 31 जुलाई 2024 तक करा सकते है। ऋणी कृषको का सम्बंधित वित्तीय बैंक (संस्था) के माध्यम से फसल बीमा किया जाएगा। अऋणी कृषक सम्बन्धित बैंक से या वीमा अभिकर्ता (कम्पनी के तहसील प्रतिनिधि) एवं सी. एस. सी. अथवा स्वयं पीएम एफवी बाय पोर्टल के माध्यम से अपनी फसलों का वीमा करा सकते हैं।

उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास जिला सीधी ने बताया कि खरीफफसलो का बीमा कराने के लिए भू-अधिकार पुस्तिका या बी 1, आधार कार्ड बैंक पासबुक तथा फसल बुवाई प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा। फसल बीमा कराये जाने पर प्राकृतिक आग (आकाशीय बिजली गिरना बादल, फटना, तूफान, ओलावृष्टि, चक्रवात, बाढ़, जल भरावं, भू-स्खलन, सूखा, कीट व्याधियां इत्यादि से फसल नुकसान होने पर किसान भाई फसल वीमा का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

फसल बीमा के संबंध में किसान भाई एग्रीकल्चर इश्योरेस कम्पनी ऑफइण्डिया लिमिटेड के टोल फ्री नम्बर 18005707115 पर या किसान कॉल सेन्टर (कृषि रक्षक हेल्पलाइन) 14447 अथवा सीधी जिले में पदस्थ फसल बीमा कम्पनी के प्रतिनिधि से सम्पर्क कर सकते हैं।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत फसल बीमा कराने के लिए सीधी जिले हेतु पटवारी हल्का स्तर पर धान सिंचित के लिए प्रीमियम राशि 817.20 रूपये प्रति हेक्टेयर, धान अधिचित के लिए 617.10 का प्रतिहेक्टेयर तुअर अरहर के लिए 608.22 रुपये प्रति हेक्टेयर मक्का के लिए 597.12 रुपये प्रति हेक्टेयर, तहसील स्तर पर ज्वार के लिए 478.46 रुपये प्रति हेक्टेयर पर, तिल के लिए 471.94 रुपये, कोदो कुटकी के लिए 316.06 रुपये जिला स्तर की फसल पर उड़द के लिए 434.7 रुपये प्रति हेक्टेयर मुंग के लिए 426.56 रुपये प्रति हेक्टेयर प्रीमियम राशि है जो की बीमित राशि का 2 प्रतिशत है। अधिसूचित फसलों के बीमा के लिए अपने बैंक या सीएससी. सेंटर अथवा बीमा अभिकर्ता से बीमा करा कर रसीद प्राप्त कर सकते हैं।

फसल बीमा कम्पनी के प्रतिनिधि से सम्पर्क करने के लिए 9826559390 पर कॉल कर सकते है अथवा कृषि विभाग के ब्लॉक कार्यालय में जाकर सम्पर्क कर सकते हैं।

बाइक सवार को ट्रैक्टर ने मारी टक्कर

एक व्यक्ति की मौत, दूसरा घायल, इलाज जारी, कन्या शिक्षा परिसर छात्रावास के पास हुआ हादसा

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। सीधी जिले की कुसमी थाना क्षेत्र अंतर्गत कन्या शिक्षा परिसर छात्रावास के पास एक बाइक को ट्रैक्टर ने जोरदार टक्कर मार दी। जिससे घटनास्थल पर एक व्यक्ति की मौत हो गई और दूसरा घायल है। जिसे जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया हैं।

सुरेंद्र टांडिया की ओर से थाने में लिखित रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। जानकारी के अनुसार बाइक सवार व्यक्ति का नाम मिनेन्द्र कुमार टांडिया पिता सुरेंद्र कुमार टांडिया और उसके साथ दूसरा व्यक्ति रवि सिंह पिता बाबूलाल सिंह है, जो कि बहन के घर कोडार जा रहे थे। जहां छात्रावास के पास बाइक सवार दोनों व्यक्तियों को एक बिना नंबर के सफेद रंग का आयशर ट्रैक्टर ने टक्कर मार दी।

जिसके बाद घटनास्थल पर ही मिनेन्द्र कुमार टांडिया पिता सुरेंद्र कुमार टाडिया की स्थल पर मौत हो गई। वहीं रवि सिंह पिता बाबूलाल सिंह को सीधी जिला चिकित्सालय के लिए रेफर कर दिया गया है। मौके पर कुसमी थाना प्रभारी भूपेश बैस ने पहुंचकर पंचनामा तैयार किया और ट्रैक्टर को कुसमी थाने में खड़ा करा दिया। कुसमी थाना प्रभारी भूपेश बैस ने जानकारी देते हुए बताया कि एक्सीडेंट करने के बाद ट्रैक्टर चालक मौके से भाग गया है। इसके बाद ट्रैक्टर को थाना परिसर में खड़ा कर लिया गया है। ट्रैक्टर किसके नाम से है, इसकी जांच की जा रही है। यह घटना शुक्रवार रात 12 के आसपास की है, जहां सुबह पीएम करने के लिए कुसमी अस्पताल में शव को भेज दिया है।

निर्माण श्रमिकों के लिए दिव्यांग सहायता एवं ई-स्कूटर हेतु अनुदान योजना 2024 लागू

दिव्यांग उपकरण एवं ई-स्कूटर वाहन पर मिलेगा अनुदान

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। श्रम पदाधिकारी ने जानकारी देकर बताया है कि सहायक सचिव मध्यप्रदेश भवन एवं अन्य संन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल भोपाल के पत्र 19 जून 2024 द्वारा प्रदेश के पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के लिए दो नवीन योजनाऐं लागू की गई हैं।

उन्होंने बताया कि भवन एवं अन्य सन्निर्माण दिव्यांग सहायता योजना 2024 में पंजीकृत हिताधिकारी निर्माण श्रमिक एवं उनके पंजीयन कार्ड में सम्मिलित आश्रित परिवार के सदस्य को मोटर चलित तिपहिया साईकल एवं अन्य सभी दिव्यांग उपकरण क्रय करने पर 100 प्रतिशत राशि (अधिकतम 35 हजार रूपये) मण्डल द्वारा अनुदान के रूप में प्रदाय की जायेगी।

इसी प्रकार भवन एवं अन्य सन्निर्माण ई-स्कूटर हेतु अनुदान योजना 2024 में पंजीकृत हिताधिकारी निर्माण श्रमिक ई-स्कूटर वाहन क्रय किए गये वाहन का 50 प्रतिशत राशि (अधिकतम 40 हजार रूपये) मण्डल द्वारा अनुदान के रूप में प्रदाय की जायेगी।

उपरोक्त योजनाएं पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के लिए लागू की गई है। योजना का राजपत्र में प्रकाशन राज्य शासन द्वारा दिनांक 14 जून 2024 को प्रकाशित राजपत्र में हो चुका है, तथा उक्त योजनाएं पूरे मध्यप्रदेश राज्य में राजपत्र प्रकाशन दिनांक से लागू की जा चुकी है।

उन्होंने पात्र हितग्राहियों से अपील की है कि योजना से संबंधित अधिक जानकारी के लिए अपने-अपने निकाय कार्यालय अथवा जिला श्रम कार्यालय से सम्पर्क कर प्राप्त किया जा सकेगा।

अनुसूचित जनजाति के हितग्राहियों को भगवान बिरसा मुण्डा स्वरोजगार योजना तथा टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना का मिलेगा लाभ

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विकास ने जानकारी देकर बताया है कि म.प्र. शासन जनजातीय कार्य विभाग द्वारा म.प्र. आदिवासी वित्त एवं विकास निगम के माध्यम से भगवान बिरसा मुण्डा स्वरोजगार योजना, टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना के क्रियान्वयन के लिये प्रशासकीय स्वीकृति जारी की गई।

उन्होंने बताया कि भगवान बिरसा मुण्डा स्वरोजगार योजना के लिए ऐसे अनु. जनजाति के सदस्य जिनकी उम्र 18 से 45 साल के मध्य हो, परिवार की वार्षिक आय 12 लाख रूपये से अधिक न हो तथा न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता आठवी उत्तीर्ण हो उन्हें इस योजना का लाभ प्राप्त होगा। इसी प्रकार टंट्या मामा अर्थिक कल्याण योजना के लिए ऐसे अनु. जनजाति के सदस्य जो आयकर दाता न हो, जिनकी उम्र 18 से 55 साल के मध्य हो उन्हे सभी प्रकार के स्वरोजगार गतिविधियो हेतु राशि रूपये 10 हजार से 1 लाख तक की परियोजनाओ के लिये बैंको के माध्यम से ऋण स्वीकृत किया जायेगा।

सोहागपुर तहसील पहुंचे कमिश्नर जामोद

डीएम से बोले- काम नहीं करने वाले राजस्व अमले पर करें सख्त कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, शहडोल निप्र। शनिवार को कमिश्नर बीएस जामोद ने संभागीय मुख्यालय के सोहागपुर तहसील का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कमिश्नर ने अधिकारियों से रिकार्ड संधारण में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने और कंप्यूटर ऑपरेटर पर आश्रित नहीं रहने की बात कही।

कमिश्नर ने घूमकर पूरा परिसर देखा और दस्तावेजों की स्थिति जानी। इस दौरान उन्होंने तहसीलदार को निर्देश दिए कि राजस्व महा अभियान के दौरान शिविर का आयोजन करें जिसमें पटवारी और आरआई अवश्य रूप से उपस्थित रहें।

शिविर में लोगों की समस्याओं का निराकरण भी कराएं। उन्होंने कहा कि राजस्व महाअभियान में कार्य नहीं करने वाले राजस्व अधिकारियों के पर सख्त कार्रवाई करें।

अभियान में शहडोल को दिलाएं पहला स्थान: निरीक्षण के दौरान उन्होंने राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिए, कि 31 अगस्त तक चलाए जा रहे राजस्व महाअभियान में नामांतरण, नक्शा तरमीम, बटांकन, अभिलेख दुरूस्ती जैसे अन्य राजस्व प्रकरणों का निराकरण सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ कराना सुनिश्चित करें।

उन्होंने कहा कि राजस्व अधिकारी विशेष रूचि लेकर राजस्व अभियान में कार्य करें और बेहतर परिणाम दिखे। जिससे राजस्व महा अभियान में प्रथम स्थान पर शहडोल संभाग रहें।

निराकरण होने के बाद सूचित करें: कमिश्नर ने कहा कि सभी राजस्व प्रकरणों का निराकरण निर्धारित समय पर कराया जाए और राजस्व प्रकरण के निराकरण होने पर संबंधित व्यक्ति को सूचित भी करें। उन्होंने निर्देश दिए कि कार्यालय में फाइलों को बेहतर ढंग से संधारित कर रखें और दायरा पंजी आवश्यक रूप से बनाएं।

जनता के सामने वाचन करें अधिकारी: कमिश्नर ने निरीक्षण के दौरान राजस्व महा अभियान में किए गए नामांतरण, सीमाकंन, अभिलेख दुरुस्ती, नक्शा तरमीम, बटंवारे, नक्शा तरमीम के लंबित हल्के वार जानकारी, आरसीएमएस पोर्टल, बी-1 का वाचन करने का काम करें। उन्होंने कहा कि राजस्व महा अभियान में बेहतर कार्य करें, जिससे कोई भी प्रकरण लंबित न रहें।

मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना का लाभ लेने ऑनलाइन करें आवेदन

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। महाप्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र सीधी ने जानकारी देकर बताया है कि उद्योग संचालनालय म.प्र. भोपाल के पत्र 19 जून 2024 के अनुसार मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजनांतर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 हेतु सीधी जिले के लिए शासन द्वारा भौतिक लक्ष्य निर्धारित किये गये हैं।

जिले के मान्य सभी बैंक शाखाओं को शाखावार मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना के लक्ष्य आवंटित कर दिए गए है।

मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजनांतर्गत स्वयं का व्यवसाय/सेवा/उद्योग स्थापित करने वाले इच्छुक आवेदकों से एमपी ऑनलाइन के श्समस्तश् पोर्टल के माध्यम से ऋण आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं।

योजनांतर्गत 8 वीं कक्षा उत्तीर्ण, 18 वर्ष से 45 वर्ष की आयु वाले व्यक्ति व्यवसाय और सेवा क्षेत्र के लिए 50 हजार से 25 लाख रूपये तक तथा उद्योग (विनिर्माण) के लिए 50 हजार से 50 लाख रूपये तक की परियोजना लागत हेतु ऑनलाइन आवेदन समस्त पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। योजनांतर्गत ब्याज अनुदान एवं सीजीटीएमएसई अनुदान की पात्रता है।

आवेदकों से अपेक्षा है कि योजना के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त करने के लिए कार्यालय दिवस व समय में कार्यालय जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र सीधी (गुलाब टावर सिंगरौली रोड, डैनिहा सीधी प्रथमतल) से सम्पर्क कर सकते हैं।

विचार

मंत्री जी और सरकार की नीट-24 परीक्षा

मैडीकल प्रवेश परीक्षा का मामला इस बार जहां पहुंचा है उसमें साफ लगता है कि देश भर के बच्चे और अभिभावक तथा सुप्रीम कोर्ट इसे किसी साफ नतीजे तक पहुंचाए बगैर नहीं रहेंगे। यह बात अदालत भी जानती होगी, लेकिन वह एक बार में अपनी शक्ति का उपयोग करके अफरातफरी मचाना नहीं चाहती होगी। सो उसने कई तरह के सवाल इस परीक्षा का संचालन करने वाली नैशनल टैस्टिंग एजैंसी (एन.टी.ए.) और सरकार के सामने रखे और यह प्रयास भी किया कि सारे बच्चों को दोबारा परीक्षा में बैठाने या व्यवस्था को ज्यादा परेशान किए बिना कुछ 'लोकल आप्रेशन' से बीमारी ठीक हो जाए तो वह भी किया जाए। पहले उसने काऊंसङ्क्षलग रोकने पर बंदिश नहीं लगाने का फैसला दिया था। पर इन सारी कोशिशों में चालीस दिन से ज्यादा का कीमती समय निकल चुका है। कीमती इसलिए कि अब तक बच्चों की काऊंसङ्क्षलग और नामांकन का काम पूरा हो चुका होता और कई जगह पढ़ाई भी शुरू हो जाती। देरी की शुद्ध वजह केंद्र सरकार और उसकी इस एजैंसी एन.टी.ए. द्वारा की जा रही शरारतें हैं। शरारत ही कहना ज्यादा उचित है क्योंकि इन दोनों का व्यवहार ऐसा है जैसे इनको पता ही नहीं है कि पेपर लीक हुआ और परीक्षा में बड़े पैमाने पर धांधली हुई है। पेपर लीक की कथा तो परीक्षा की तारीख से पहले ही शुरू हुई और दिन-ब-दिन नए साक्ष्य और अपराधी सामने आते जाने से इसकी व्यापकता, भयावहता और इसमें शामिल लोगों की ताकत का रहस्य खुलता जा रहा है। जब लीक कराने के खेल के छुटभैये पोस्ट डेटेड चैक से भुगतान लेने जैसे व्यवहार चला रहे थे तब उनकी पहुंच, दुस्साहस और ऊपर से कनैक्शन के बारे में सहज ही सोचा जा सकता है। यह तो भला हो बिहार पुलिस के एक जुनूनी अधिकारी का जिसने जान जोखिम में डालकर इस पूरे षड्यंत्रकारी नैटवर्क को नंगा दिखाने की शुरूआत की। हम देख रहे हैं कि रोज नई गिरफ्तारियां हो रही हैं और रोज नए साक्ष्य मिल रहे हैं। अभी ही जो तस्वीर उभर रही है वह कई-कई राज्यों में 50 से 100 करोड़ रुपए तक के लेन-देन की ओर इशारा करती है। और यह संबंधों या विचारधारा के आधार पर कुछ बच्चे- बच्चियों को 'फेवर' करने की जगह एक धंधे के रूप में, वाूषक कमाई के अवसर के रूप में सामने आ चुका है। और जिस तरह से सरकार, मानव संसाधन मंत्री और एन.टी.ए. ने पहले दिन से इस मामले में आचरण किया है वह बताता है कि वे न तो इस मामले में दोषियों के खिलाफ कार्रवाई चाहते हैं, न अपना दोष या चूक मानने को तैयार हैं और न ही आगे से ऐसी गलती न हो इसका इंतजाम करना चाहते हैं। मंत्री महोदय तो पहले दिन से पेपर लीक न होने का तमगा बांटने में लग गए थे। जो एकमात्र कार्रवाई हुई है वह एन.टी.ए. के प्रमुख का तबादला है-उनको भी किसी तरह की सजा नहीं मिली है। ये वही सज्जन हैं जिन्हें मध्य प्रदेश में व्यापक करवाने का अनुभव है और आज भी उस मामले में कुछ नहीं हुआ है जबकि उसे सामने लाने वाले कितने ही लोग मारे जा चुके हैं। जब मंत्री जी पेपर लीक मानने लगे तो उनका मंत्रालय और एन.टी.ए. इसे सीमित लीक बताने में लगा है। और जगह तो नहीं लेकिन अदालत में सरकार और एन.टी.ए. की तरफ से दी जाने वाली दलीलें उनकी मंशा का सबसे अच्छा प्रमाण हैं। लगता ही नहीं कि इतना बड़ा अपराध हुआ है।

रेल दुर्घटनाओं से उपजते सवालों के जवाब आखिर कौन देगा, कब तक मिलेगा

कमलेश पांडे

लीजिए, एक और ट्रेन दुर्घटना हो गई। यह घटना उत्तरप्रदेश के गोंडा जिले में घटित हुई, इसलिए इसे गोंडा ट्रेन दुर्घटना के नाम से जाना गया। देखा जाए तो पिछले एक महीने में यह दूसरा बड़ा रेल हादसा है, जिसमें 3-4 यात्रियों की मौत हो चुकी है और आधा दर्जन से अधिक लोग घायल चुके हैं। इससे एक सुलगता हुआ सवाल पैदा हो रहा है कि लाखों लोगों के लिए यात्रा का प्राथमिक साधन रेलवे अब उतना सुरक्षित नहीं रह गया है, जितनी कि उससे अपेक्षा हुआ करती है। आंकड़े बताते हैं कि भारत के रेलवे नेटवर्क में, 64,000 किलोमीटर (40,000 मील) ट्रैक पर 14,000 ट्रेनों में प्रतिदिन 12 मिलियन से अधिक यात्री यात्रा करते हैं। बावजूद इसके यहां रेल दुर्घटनाओं का एक लंबा इतिहास रहा है। गत जून महीने में ही पश्चिम बंगाल में एक मालगाड़ी एक यात्री ट्रेन से टकरा गई, जिसमें नौ लोगों की मौत हो गई और दर्जनों लोग घायल हो गए, क्योंकि मालगाड़ी के चालक ने सिग्नल की अनदेखी की थी।

इसी तरह से पिछले साल, पूर्वी भारत में एक बड़ी ट्रेन दुर्घटना हुई, जिसमें 280 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी, जो दशकों में सबसे घातक दुर्घटनाओं में से एक थी। आलम यह है कि रेल सुरक्षा में सुधार के तमाम सरकारी प्रयासों के बावजूद, हर साल कई एक दुर्घटनाएँ होती हैं, जिनका कारण अक्सर मानवीय भूल या पुराने सिग्नलिंग उपकरण होते हैं। लेकिन लगातार हो रही इन रेल दुर्घटनाओं को देखते हुए आधा दर्जन से अधिक महत्वपूर्ण सवाल पैदा हो रहे हैं, जिनके जवाब समय रहते ही मिल जाएं तो इन दुर्घटनाओं को टाला जा सकेगा। पहला, रेलवे की %कवच% सुरक्षा प्रणाली अब तक केवल 1 प्रतिशत रेलवे ट्रैक को ही क्यों कवर कर पाई है? इस विलम्ब के लिए कौन जिम्मेदार है? दूसरा, अगर देश के पास सभी रेलवे ट्रैक पर कवच प्रणाली लगाने के साधन नहीं हैं, तो प्रधानमंत्री और रेलमंत्री कवच प्रणाली को अपग्रेड करने के बजाय बुलेट ट्रेनों और 250 किलोमीटर प्रति घंटे की हाई स्पीड ट्रेनों की संख्या बढ़ाने के पीछे क्यों पड़े हैं? क्या उनके ऊपर कोई कूटनीतिक दबाव है या फिर मित्र उद्योगपतियों और ठेकेदारों को उपकृत करने के लिए यह सबकुछ किया जाएगा। तीसरा, लगातार रेल दुर्घटनाओं के बावजूद भारत सरकार ने रेल सुरक्षा पर खर्च करने के बजाय बुलेट ट्रेनों पर 1 लाख करोड़ रुपये क्यों खर्च किए? क्या इसके लिए रेलवे सुरक्षा के लिए आवंटित धन को डायवर्ट किया गया? चतुर्थ, वित्त वर्ष 2024 में ट्रैक नवीनीकरण के लिए आवंटन बजट के 7.2 प्रतिशत तक ही सीमित क्यों रखा गया? क्या सुरक्षित ट्रेन संचालन के लिए रखरखाव और नवीनीकरण को उच्च प्राथमिकता नहीं दी जानी चाहिए? यदि नहीं तो फिर उपाय क्या है? पंचम, दिसंबर 2022 में सीएजी की रिपोर्ट में कहा गया था कि 2018 से 2021 तक 69 प्रतिशत रेल दुर्घटनाएँ रेल दुर्घटनाओं से संबंधित थीं। सीएजी निरीक्षण रिपोर्ट में गंभीर कमियों की पहचान की गई थी। लेकिन उन कमियों पर अभी तक कोई कार्रवाई क्यों नहीं की गई? इस लापरवाही के लिए कौन जिम्मेदार है? छठा, रेलवे में लगभग 3 लाख रिक्तियाँ क्यों हैं? जिनमें से 1.5 लाख से अधिक सुरक्षा से संबंधित पद हैं। क्या इस सरकार के लिए यात्री सुरक्षा का कोई मतलब नहीं है? या फिर इसे भी चरणबद्ध रूप से निजी कंपनियों को सौंपने की तैयारी चल रही है, जो समय के साथ प्रकाश में आएगा। सातवां, लगातार दुर्घटनाओं के बावजूद मोदी सरकार ने रेल बजट को आम बजट में क्यों मिला दिया? क्या इसे उचित फैसला करार दिया जा सकता है। आठवां, जब कतिपय जांच रिपोर्ट में दुर्घटना के लिए ऑटोमेटिक सिग्नल की विफलता, संचालन के प्रबंधन में कई स्तरों पर खामियाँ और लोको पायलट और ट्रेन मैनेजर के पास वॉकी-टॉकी जैसे महत्वपूर्ण सुरक्षा उपकरण की अनुपलब्धता जैसे कुछ कारण बताए गए हैं, तो फिर उन्हें पूरा करके इन कमियों को दूर क्यों नहीं किया जा रहा है? नवम, इन तमाम गम्भीर सवालों के बावजूद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, जो आत्म-प्रचार का कोई मौका नहीं छोड़ते, सेल्फी और रील कल्चर के आदि हो चुके हैं, को भारतीय रेलवे में हुई भारी खामियों की सीधी जिम्मेदारी लेनी चाहिए या नहीं? यदि नहीं तो क्यों नहीं? दशम, सच कहा जाए तो यह जांच का विषय है कि ट्रेन से जुड़ी कई दुर्घटनाएँ लगातार हो रही हैं, पर अपेक्षित कार्रवाई नदारत। देश में लगातार रेल हादसे हो रहे हैं, लोग अपनी जान गंवा रहे हैं, ऐसे में अगर कोई सबसे बड़ा दोषी है तो वो रेल मंत्री हैं या फिर रेल महकमें के वो बड़े अधिकारी जो इन्हें रोकने के प्रति गम्भीर नहीं हैं। इसलिए पूर्व के रेल मंत्रियों की तरह ही इन्हें भी इस्तीफा दे देना चाहिए। अंतिम सवाल यह है कि इसके लिए कौन जिम्मेदार है, और यदि नहीं, तो क्यों नहीं? वैसे तो पिछले दशक में भारत में कई रेल दुर्घटनाएँ कई कारणों से हुई हैं, जिनमें यांत्रिक विफलताओं से लेकर मानवीय लापरवाही तक शामिल हैं। इसलिए यहाँ पर हम कुछ प्रमुख घटनाओं, उनके कारणों और अधिकारियों द्वारा कही गई बातों पर एक नज़र डालते हैं, ताकि आप यह समझ सकें। पहला, 26 मई, 2014 को, हिसार-गोरखपुर मार्ग पर गोरखधाम एक्सप्रेस उत्तर प्रदेश में एक डबल-लाइन सेक्शन से गुज़र रही थी, जब इसका इंजन 11 डिब्बों के साथ पटरी से उतर गया। इस दुर्घटना का कारण टंग रेल का फ्रैक्चर माना गया, जो ट्रेनों को आसानी से दूसरी रेलवे लाइन पर जाने में मदद करता है, और इसे उपकरण की विफलता के रूप में वर्गीकृत किया गया। इस घटना में कम से कम 29 यात्रियों की जान चली गई, जबकि 70 से ज़्यादा लोग घायल हो गए। दूसरा, 2015 में वाराणसी-देहरादून जनता एक्सप्रेस उत्तर प्रदेश के एक स्टेशन पर रुकने में विफल रही, जिसके कारण 20 मार्च, 2015 को कुछ डिब्बे दुर्घटनाग्रस्त हो गए और पटरी से उतर गए। उस समय रेलवे के एक प्रवक्ता ने कहा था कि जब ट्रेन बछरावां स्टेशन में प्रवेश कर रही थी, तब ट्रेन के लोको पायलट ने सिग्नल को पार कर लिया और रेत के ढेर में जा टकराई, जिससे ट्रेन का इंजन और दो डिब्बे पटरी से उतर गए। इस घटना में लगभग 39 यात्रियों की मौत हो गई और 150 लोग घायल हो गए। तीसरा, 20 नवंबर, 2016 को कानपुर देहात जिले के पुखरायां इलाके में इंदौर-पटना एक्सप्रेस के 14 डिब्बे पटरी से उतर गए। इस दुर्घटना में 152 लोगों की जान चली गई। हाल के वर्षों में रेल दुर्घटनाओं में हुई सबसे बड़ी मौतों में से यह एक है। चतुर्थ, 21 जनवरी, 2017 को जगदलपुर-भुवनेश्वर हीराखंड एक्सप्रेस आंध्र प्रदेश के कुनेरू स्टेशन पर पटरी से उतर गई। ओडिशा जाने वाली इस ट्रेन की दुर्घटना में 40 लोगों की मौत हो गई और 50 से ज़्यादा लोग घायल हो गए। पंचम, 19 अक्टूबर, 2018 को अमृतसर के नज़दीक रेलवे ट्रैक पर दशहरा समारोह देखने के लिए खड़े लोगों को दो ट्रेनों ने रौंद दिया, जिसमें लगभग 60 लोग मारे गए और कई घायल हो गए। जब जालंधर-अमृतसर डीएमयू ट्रैक पर आई, तो आतिशबाजी देखने के लिए लगभग 300 लोगों की भीड़ जमा थी। छठा, 3 फरवरी, 2019 को बिहार के वैशाली जिले में दिल्ली जाने वाली सीमांचल एक्सप्रेस की बोगियों के पटरी से उतरने के कारण सात लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। इस घटना में सहदेई-बुजुर्ग रेलवे स्टेशन के पास नौ ट्रेन के डिब्बे पटरी से उतर गए। सातवां, हैदराबाद के पास चेरलापल्ली स्टेशन से नासिक के पनेवाड़ी स्टेशन जा रही एक खाली मालगाड़ी ने 8 मई, 2020 को पटरियों पर सो रहे 16 श्रमिकों को गलती से कुचल दिया। कथित तौर पर लोको पायलट ने श्रमिकों को देखा, लेकिन समय रहते ट्रेन को रोकने में विफल रहा। आठवां, 13 जनवरी, 2022 को पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी जिले के डोमोहानी इलाके में बीकानेर-गुवाहाटी एक्सप्रेस के 12 डिब्बे पटरी से उतर जाने से 10 यात्रियों की मौत हो गई और 40 से ज़्यादा लोग घायल हो गए। सीआरएस के अनुसार, पटरी से उतरने का कारण उपकरण (लोकोमोटिव) की विफलता थी। नवम, 2 जून 2023 को शालीमार-चेन्नई कोरोमंडल एक्सप्रेस, बेंगलुरु-हावड़ा सुपरफास्ट एक्सप्रेस और एक मालगाड़ी परस्पर टक्कर हुई। इन तीनों ट्रेनों की टक्कर के कारण भारत में सबसे खराब रेल दुर्घटना हुई, जिसके कारण 2 जून, 2023 को कम से कम 293 लोगों की मौत हो गई। दशम, इस साल 7 जून 2024 को पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग जिले में अगरतला से सियालदह जा रही कंचनजंगा एक्सप्रेस को पीछे से एक मालगाड़ी ने टक्कर मार दी, जिसमें नौ लोगों की मौत हो गई और कम से कम 40 लोग घायल हो गए। बहरहाल, सरकार ने मृतक के परिवार को 10 लाख रुपये, गंभीर रूप से घायल होने पर 2.5 लाख रुपये और मामूली रूप से घायल होने पर 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है, जो नाकाफी है। मृतकों के परिवारों को कम से कम ?50-50 लाख का मुआवज़ा दिया जाना चाहिए।

छद्म एवं पाखण्डी बाबाओं से मुक्ति की सार्थक पहल

ललित गर्ग

भारतीय हिंदू संतों की प्रमुख संस्था अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद (एबीएपी) की ओर से चौदह महामण्डलेश्वरों और संतों के निष्कासन की ताजा कार्रवाई पाखण्डी एवं छद्म बाबाओं से समाज को मुक्त करने का सराहनीय कदम है। अखाड़ा परिषद की गोपनीय जांच में अखाड़ों से जुड़े ये संत धार्मिक कार्यों के बजाय धनार्जन एवं अधार्मिक कार्यों में लिप्त पाए गए। ऐसे ही अन्य बाबाओं पर व्यभिचार, दुष्कर्म, जादू-टोटके व दूसरे अनैतिक कार्यों के भी आरोप लगते रहे हैं। इनके अलावा सौ से अधिक संतों को अखाड़ा परिषद ने नोटिस भी दिया है। निष्कासित किए गए संतों को अगले साल होने वाले कुंभ में भी प्रवेश नहीं मिलेगा। अखाड़ा परिषद की ताजा कार्रवाई इस तरह के कथित धर्मगुरुओं पर लगाम लगाने की प्रभावी कोशिश मानी जाएगी। इस तरह के प्रयास हर स्तर पर होने चाहिए, ताकि छद्म एवं पाखण्डी धर्मगुरुओं से समाज को मुक्ति मिल सके। आम लोगों में भी विवेक का जागरण जरूरी है, ताकि धर्म को विकृत करने वाली ऐसी घटनाओं को नियंत्रित किया जा सके। अखाड़ा परिषद ने कुल चौदह ढोंगी संतों की एक सूची मीडिया में जारी की है। सूची में जेल की हवा खा रहे बाबा रामपाल, गुरमीत राम रहीम सिंह इंसां, आसाराम, नारायण साईं व असीमानंद के अलावा निर्मल बाबा, राधे मां और कई ऐसे इच्छाधारी बाबा शामिल हैं, जो पिछले कुछ सालों में अपनी करनी के चलते विवादों में रहे हैं। गोलगप्पा खिलाकर लोगों की हर समस्या का समाधान करने वाले निर्मल बाबा जैसे ढोंगियों के झांसे में लोग कैसे खिंचे चले आते हैं, इस पर भी अखाड़े की ओर से कई चौंकाने वाले तथ्य बताए गए हैं। उनका मानना है कि राधे मां और निर्मल बाबा जादू-टोटके से लोगों को अपनी ओर खींचते हैं। बाबाओं की कारस्तानियों ने सबको सकते में डाल रखा है। महिलाओं की अस्मत से खिलवाड़ करना इन बाबाओं की दिनचर्याओं में शामिल था। लाज-शर्म की वजह से कुछ महिलाएं नहीं बोलती थीं, उन्हीं का ये बाबा फायदा उठाते थे। इन बढ़ती त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण स्थितियों के खिलाफ अब पूरा अखाड़ा

परिषद मुखर हो उठा है। जरूरत है ऐसे ही अन्य शीर्ष धर्म संगठनों के सक्रिय होकर कठोर अनुशासनात्मक कार्यवाई करने की। फर्जी एवं पाखण्डी बाबाओं के मामले में भोले-भाले एवं अशिक्षित लोगों के जीवन के साथ जो खिलवाड़ हुआ है और जिन बाबाओं ने ये कुकर्म किया है, उन्हें ढूंढकर दंड देना ही चाहिए। फर्जी एवं पाखण्डी बाबाओं की परंपरा सदैव से दुष्टों के हाथ में रही है। इसका आरंभ किया था महाभारत में शकुनि ने। हमारे समाज एवं राष्ट्र ऐसे बहुत सारे बाबा रूपी शकुनि हैं, जिन्हें हम समय पर पहचान नहीं पाते हैं। कौरवों और पांडवों के बीच जब जुए का खेल हुआ, तो शर्त यही थी कि पांसे शकुनि चलेगा। शकुनि ने पांसे भी ऐसे तैयार किए थे कि उसको परिणाम और प्रश्न मालूम थे। आधुनिक बाबा भी ऐसे ही पांसे चलते हुए हुए कइयों की जिंदगी को नरक बना रहे हैं, कइयों के घर उजाड़ रहे हैं। सबसे ज्यादा नुकसान उन लोगों का हुआ है, जो धार्मिक आस्थाओं के प्रति अटूट विश्वास रखते थे, क्योंकि भारत की पहचान सदा से ही साधु-संतों से जुड़ी रही है। लेकिन पिछले एक-दो दशक से कुछ फर्जी बाबाओं ने अपनी काम वासना एवं धनलोलुपता के चलते सबकुछ खंडित कर दिया है। इन बाबा रूपी शकुनियों को दंड देना ही पड़ेगा। आधुनिक बाबाओं की तरह महाभारत का शकुनि कभी किसी से नहीं डरता था, लेकिन वो कहता था, दुर्योधन! मैं इस दुनिया में केवल एक ही व्यक्ति से डरता हूं और वो श्रीकृष्ण हैं। तो हमें भी आधुनिक बाबाओं के लिये श्रीकृष्ण जैसी एक सख्त व्यवस्था लागू करनी पड़ेगी। क्योंकि श्रीकृष्ण जब किसी को दंड देते थे तो अपना और पराया कभी नहीं देखते थे। श्रीकृष्ण धर्म में जय और जय में धर्म देखते थे। वर्तमान में धर्मगुरुओं एवं बाबाओं का जो चरित्र एवं आचरण प्रस्तुत हो रहा है, वह कष्टदायक एवं विनाशकारी है। इसलिये उनके लिये श्रीकृष्ण रूपी अनुशासन-व्यवस्था को सख्ती से लागू करना ही होगा। अखाड़ा परिषद का अपना अनुशासन है। अखाड़े से जुड़े संतों में कोई दोष नहीं आ जाए, चरित्रहीनता न आ जाये, आचरण एवं जीवनशैली दूषित न हो जाये, इसे देखते हुए वह समय-समय पर अपने महामण्डलेश्वर व दूसरे संतों की कार्यप्रणाली की गोपनीय जांच कराता रहता है। ऐसी ही हाल में की गयी जांच में सामने आया कि धनार्जन में लिप्त रहने वाले संतों की कार्यप्रणाली अखाड़ों की रीति-नीति के विपरीत थी। इनमें कुछ के तो आपराधिक लोगों से भी संबंध सामने आए। राजनेताओं से भी उनके प्रगाढ़ संबंध रहे हैं। हर समुदाय में संतों का अलग ही स्थान रहता आया है। वे जहां विराजते हैं वह स्थान स्वत: ही उच्च हो जाता है। आज भी बड़ी संख्या में संत-महात्मा समाज को दिशा देने के काम में नि:स्वार्थ भाव से जुटे हैं। पर बदलते दौर में संत-महात्मा-मुल्ला-मौलवियों व पीर-पगारों के छद्म-पाखण्डी वेश में ऐसे लोग भी सामने आने लगे हैं जो धार्मिक कार्यकलापों की बजाय न केवल अर्थार्जन में जुटे रहते हैं बल्कि अंधविश्वास, व्यभिचार और पाखण्ड को बढ़ावा देने में जुटे हैं। छद्म धर्मगुरु और संत लोगों की धार्मिक श्रद्धा एवं अंधभक्ति का फायदा उठाकर उन्हें ठगते हैं। ऐसे लोगों का गाहे-बगाहे सियासी जुड़ाव भी सामने आता रहता है। ऐसे ही लोग संत समाज को बदनाम करते हैं, जिससे लोगों की धार्मिक आस्था भी डगमगाने लगती है। धर्मगुरुओं के धन के प्रति बढ़ते आकर्षण ने भी अनेक तरह की विसंगतियों एवं विकृतियों को जन्म दिया है। अब तक धर्म और धर्मगुरुओं के इर्द-गिर्द ठाट-बाट और राजा-महाराजाओं जैसी वैभवपूर्ण स्थितियां ही देखने को मिलती थीं, लेकिन अब ये तथाकथित धर्मगुरु स्वयं व्यापारी बनकर बड़ी-बड़ी कंपनियों का संचालन कर रहे हैं। एक प्रमुख महिला धर्मगुरु बहुत सारे धार्मिक कार्यों के अलावा अस्पताल, एक टीवी चैनल, इंजीनियरिंग कॉलेज और बिजनेस स्कूल चलाती है।

मलेरिया-डायरिया को लेकर हाई अलर्ट

अब तक 5 सौ से ज्यादा केस, 5 लोगों की मौत, 54 गांव अति संवेदनशील

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर एजेंसी। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में बढ़ते मलेरिया और डायरिया को लेकर हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। डायरिया-मलेरिया के अब तक 500 से ज्यादा मरीज मिल चुके हैं। कलेक्टर अवनीश शरण ने स्वास्थ्य विभाग, महिला बाल विकास, पंचायत ग्रमीण, नगर निगम को हाई अलर्ट पर रहने को कहा है।

जानकारी के मुताबिक जिले में अब तक 5 लोगों की मौत हो चुकी हैं, जिसमें एक मौत डायरिया और 4 मलेरिया से हुई हैं। मलेरिया के 24 केस मिले हैं। इनमें 5 की हालत गंभीर है, जिनका सिम्स में इलाज चल रहा है। रतनपुर के सरकारी अस्पताल में बेड खाली नहीं हैं। वहीं 54 गांव मलेरिया के लिए अति संवेदनशील हैं।

रतनपुर में डायरिया बेकाबू: रतनपुर में डायरिया के मरीज बढ़ते जा रहे हैं। खूंटाघाट क्षेत्र के कंदई पारा में 31 और महामाया पारा में 9 नए मरीजों की पुष्टि हुई है। बढ़ते मरीजों की संख्या से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रतनपुर की स्वास्थ्य व्यवस्था चरमरा गई है। एक बेड पर 2-2 मरीजों का इलाज किया जा रहा है। एक मरीज की इलाज के दौरान मौत हो चुकी है। वहीं कोटा में मलेरिया के तीन और नए मरीजों की पुष्टि हुई है।

खोंगसरा सीएचसी में तीन भर्ती, डॉक्टर नदारद: शासकीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र खोंगसरा में फिर 3 मलेरिया पॉजिटिव भर्ती किए गए हैं। उनका इलाज किया जा रहा है। इसमें एक महिला, पुरुष और एक किशोर शामिल है। तीनों ग्राम पंचायत टांटीधार के आश्रित ग्राम चाटीदार के रहने वाले हैं।

खोंगसरा में झोलाछाप डॉक्टर कर रहे इलाज: मेडिकल स्टाफ गीता रटिया ने बताया कि प्रभारी मिथिलेश भारद्वाज दौरे पर हैं। पांच ग्राम पंचायतों के 14 आश्रित गांवों के लोग उपचार कराने अस्पताल आते हैं। डॉक्टर नहीं होने के कारण सीधे-साधे बैगा आदिवासी झोलाछाप डाक्टरों के भरोसे इलाज के लिए मजबूर हैं। झोलाछाप डॉक्टर घूम-घूम कर इलाज कर रहे हैं।

कोटा के 54 गांव मलेरिया के लिए अति संवेदनशील: कोटा के 54 गांव मलेरिया के लिए अति संवेदनशील हैं। मौजूदा समय में इन गांवों में मलेरिया के मामले बढ़ने लगे हैं। तीन दिन के भीतर कोटा के आमागोहन, टांटीधार, करवा, कुरदर, खोंगसरा, टेंगनमाड़ा, कारमाटी, लमेर में मरीज मिल चुके हैं। मरीजों की हालत बिगड़ती जा रही है। मलेरिया पर नियंत्रण के लिए जल्द से जल्द ठोस कदम नहीं उठाए गए तो हालात और बिगड़ सकते हैं।

संवेदनशील है कारीमाटी: ग्राम पंचायत सिलपहरी के सरपंच दुष्यंत कुमार ने बताया कि इस पंचायत और आश्रित ग्राम कारीमाटी में इससे पहले कभी भी स्वास्थ्य शिविर नहीं लगाया गया है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से मच्छरदानी और टैबलेट का वितरण किया गया है।

सरपंच दुष्यंत कुमार ने कहा कि मलेरिया, डेंगू के लिए संवेदनशील गांव होने के बाद भी स्वास्थ्य विभाग की ओर से कोई भी प्रभावी कदम नहीं उठाए गए।

पहाड़ पर बसा है कारीमाटी गांव: ग्राम कारीमाटी पहुंच विहीन गांवों में से एक है। ये गांव पहाड़ पर बसा हुआ है। यहां टू व्हीलर भी बड़ी मुश्किल से पहुंच पाते हैं। यातायात का कोई भी साधन नहीं हैं। ज्यादातर पैदल ही आना-जाना होता है। इसी वजह से स्वास्थ्य विभाग की टीम भी इस गांव में नहीं जाती। ऐसे में ग्रामीणों को झोलाछाप डॉक्टरों से इलाज करवाने के लिए मजबूर होना पड़ता है।

महज सर्वे कर की जा रही खानापूर्ति: स्वास्थ्य विभाग की टीम प्रभावित क्षेत्र में सर्वे करने का ही काम कर रही है। इसके अलावा मच्छर नियंत्रण, लार्वा खोजने, मच्छरों को मारने दवा का इस्तेमाल नहीं कर रहे हैं। जबकि क्षेत्र में मच्छरों का आंतक है। इसी वजह से मलेरिया से मौतें हो रही हैं और लगातार मरीज मिल रहे हैं।

जिला मलेरिया अधिकारी अनिल श्रीवास्तव ने बताया कि मलेरिया के हालात को नियंत्रण में लाने के लिए विभाग के सभी कर्मचारियों को लगा दिया गया है, जो प्रभावित क्षेत्र में सघन दौरे और सर्वे का काम कर रहे हैं। साथ ही मिलने वाले मरीजों का इलाज सिम्स में भर्ती कर कराया जा रहा है।

प्रदेश संगठन मंत्री की अध्यक्षता में आम आदमी पार्टी की जिला कमिटी का हुआ विस्तार

निकाय चुनावों में भरेंगे दम

मीडिया ऑडीटर, मनेंद्रगढ़ (छत्तीसगढ़) निप्र। आम आदमी पार्टी जिला कमिटी की बैठक आज मनेंद्रगढ़ पी. डब्लू. डी. रेस्ट हाउस में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता प्रदेश संगठन मंत्री राजेंद्र बहादुर सिंह जी ने की। रायपुर से आये प्रदेश संगठन मंत्री और एस. टी. विंग के प्रदेश अध्यक्ष एलेक्जेंडर ने रमा शंकर मिश्रा को एक बार दुबारा आम आदमी पार्टी जिला एम. सी. बी का जिला अध्यक्ष नियुक्त कर उन्हें शुभकामनाएं दी और कहा कि आगामी निकाय चुनाव में पार्टी पूरे जिले में अपने प्रत्याशी खड़ी करेगी। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी प्रदेश में होने वाले चुनाव में जिला, जनपद, नगर निगम, नगर पालिका, ग्राम पंचायत हर स्तर पर प्रत्याशी खड़ी करेगी और लोगों को तीसरे विकल्प को चुनने का अवसर मिलेगा. पार्टी जिला सचिव विकास पांडेय ने बताया की आज की बैठक में जिला अध्यक्ष की नई नियुक्ति के साथ ही, मनेंद्रगढ़ के वार्ड क्रमांक दो और चौदह से हिमांशु दुबे व आयुष सिंह ने पार्टी की सदस्यता ली। विकास पांडेय ने आगे कहा की पार्टी के सीनियर नेताओं द्वारा चुनावी बिगुल फूंक दिया गया है, पार्टी के कार्यकर्ता ज़मीन पर जाकर लोगों को दोनों दलों द्वारा किये गये भ्रष्टाचार के बारे में बतायेंगे और निश्चित ही इस बार निकाय चुनाव में बड़ा उलट फेर होगा। आज के कार्यक्रम में मुख्य रूप से पार्टी के जिला उपाध्यक्ष प्रेम शंकर जयसवाल, ब्लॉक अध्यक्ष विशेष सोनी, मो. कासिम, धीरज यादव, अशोक धुर्वे, संतान देवनाथ, राजेश राजवाड़े, जिला युवा मोर्चा जिला सचिव अनिल पासवान, जिला सोशल मीडिया प्रभारी रामकृपाल प्रजापति, सर्कल इंचार्ज दिनेश द्विवेदी, अकरम, प्रेम शंकर अहिरवार, समेत अन्य कार्यकर्ता उपस्थिति रहे।

शिवांश ने कलेक्टर को लिखा पत्र

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। सरकार द्वारा किताबें न मिलने से गरीब छात्र परेशान शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय हल्दीबाड़ी में प्राइमरी के बच्चों को सीबीएसई की किताबें अभी तक न मिलने से गरीब बच्चों एवं उनके माता-पिता परेशान हैं,,, बाजार में उसकी कीमत बहुत अधिक है सरकार द्वारा निशुल्क पुस्तक के उपलब्ध कराई जाती है,जो अभी तक नहीं मिल पाई है जिससे उनकी पढ़ाई में समस्या उत्पन्न हो रही है, इस विषय में जब कई छात्र एवं उनके परिजन पार्षद शिवांश जैन से संपर्क किया तो उन्होंने तत्काल विषय को गंभीरता से लेते हुए एमसीबी जिले के कलेक्टर को पत्र लिखा है,,और जल्द से जल्द पुस्तक उपलब्ध कराने के लिए प्रशासन को कहा है जिससे कि बच्चों को पढ़ाई में कोई भी बाधा ना आए। निश्चित रूप से यह सामाजिक और छात्र हित में अच्छी पहल है और प्रशासन को त्वरित संज्ञान लेते हुए इस समस्या का निराकरण करना चाहिए।

दिनदहाड़े बुजुर्ग को हसिया से काट डाला

सरे बाजार युवक ने किए कई वार, जमीन पर अवैध कब्जे की शिकायत से था गुस्सा

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर एजेंसी। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में बुजुर्ग की दिनदहाड़े हसिया से काटकर हत्या कर दी गई। बताया जा रहा है कि जमीनी विवाद में ये वारदात हुई हैं। घटना के बाद पुलिस हत्या के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। घटना बिल्हा थाना क्षेत्र के ग्राम बरतोरी बाजार चौक की है।

जानकारी के मुताबिक मृतक गणपति कौशिक (65 वर्ष) और आरोपी चिन्टू ऊर्फ मनोज कौशिक (24 वर्ष) के पिता कल्लू कौशिक के बीच जमीन को लेकर अक्सर विवाद होता रहता था। झगड़ा इतना बढ़ गया कि चिंटू ने गणपति की सरे बाजार हत्या कर दी।

पंचायत में नाकाम हुई सुलह की कोशिश: हत्या की जानकारी मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया। ग्रामीणों का कहना है कि जमीन विवाद को लेकर कई बार पंचायत में भी दोनों पक्षों के बीच समझौता कराने की कोशिश की गई थी, लेकिन कोई स्थायी समाधान नहीं निकल सका।

जमीन पर कब्जे की शिकायत के बाद बढ़ी रंजिश: जानकारी के मुताबिक आरोपी मनोज कौशिक ने गणपति कौशिक की जमीन के सामने सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा कर लिया था। इसकी शिकायत भी हुई। जांच के बाद कुछ समय पहले तहसीलदार ने अवैध कब्जे पर बने मकान को ढहा दिया था। इसी की वजह से मनोज गणपति से रंजिश रखने लगा था।

सरे बाजार हसिया से बुजुर्ग काट डाला: बताया जा रहा है कि गणपति बाजार गया था, इसी दौरान मनोज ने अपनी चखना दुकान के पास वारदात को अंजाम दिया। फिलहाल बिल्हा पुलिस आरोपी को गिरफ्तार कर आगे की जांच कर रही है।

सोलर सिस्टम लगाने 56 लोगों से 11 लाख की ठगी, ग्रामीणों की शिकायत पर आरोपी गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, बलरामपुर एजेंसी। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले के राजपुर क्षेत्र में सोलर सिस्टम लगाने के नाम पर 56 ग्रामीणों से 11 लाख रुपए से अधिक की ठगी की गई है। पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है। उसके खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज कर कोर्ट में पेश किया गया।

शिवपुर निवासी सुखदेव सिंह, अजय प्रजापति, प्रेमानंद, विन्द्र प्रजापति, रामवाई, मंत्री कुमार, प्रेम कुमार, सहित अन्य ग्रामीणों ने बलरामपुर एसपी से इसकी शिकायत की थी। जिसमें बताया कि साल 2021-22 में भैरवपुर निवासी जहरूद्दीन उर्फ जहीर अंसारी (29) ने सोलर सिस्टम लगाने का झांसा देकर पैसे लिए, लेकिन सोलर प्लेट नहीं लगाया।

56 ग्रामीणों से ठगी की पुष्टि: एसपी के आदेश पर राजपुर पुलिस ने मामले की जांच की, तो पता चला कि जहरूद्दीन उर्फ जहीर अंसारी ने ग्रामीणों से 12 हजार से 20 हजार रुपए तक लिया है। कई ग्रामीणों ने फोन-पे और भीम यूपीआई से जहरूद्दीन उर्फ जहीर अंसारी को पैसे दिए। यूनियन बैंक अंबिकापुर से अकाउंट डिटेल निकलवाने पर 56 लोगों से 11 लाख 20 हजार रुपए की ठगी करने की बात सामने आई है।

आरोपी जहरूद्दीन उर्फ जहीर अंसारी को शुक्रवार शाम को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी ने ग्रामीणों से ठगी करना स्वीकार किया है। राजपुर एसआई कमलेश्वर साय पैंकरा ने बताया कि, आरोपी को कोर्ट में पेश किया जा रहा है। आरोपी द्वारा अन्य ग्रामीणों से भी ठगी किए जाने का आशंका है, जिसकी पुलिस जांच कर रही है।

वायर से घोंटा छोटे भाई का गला

जमीन के पट्टे के लिए होता था लड़ाई-झगड़ा, बेटे के साथ मिलकर किया मर्डर

मीडिया ऑडीटर, दुर्ग एजेंसी। दुर्ग जिले में शुक्रवार शाम एक व्यक्ति ने अपने बेटे के साथ मिलकर छोटे भाई की गला घोंटकर हत्या कर दी। बताया जा रहा है कि मृतक के गले में बिजली की तार लिपटी मिली है। घटना मोहन नगर थाना क्षेत्र के शक्ति नगर की है।

जानकारी के मुताबिक मृतक का नाम नानू निषाद (26 वर्ष) है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। मोहन नगर पुलिस ने मर्डर के आरोपी बड़े भाई और भतीजे को गिरफ्तार कर लिया है। नानू नशे का आदी था और अक्सर मारपीट करता था। बड़े भाई से वह अपनी जमानत के लिए जमीन का पट्टा मांग रहा था।

गले में वायर लपेटकर कसने से मौत: मोहन नगर थाना प्रभारी मोनिका पांडेय ने बताया कि नानू निषाद की उसके घर में घुसकर हत्या की गई है। पहले उसके साथ मारपीट की गई, फिर गले में वायर को तीन बार लपेटकर कस दिया गया। दम घुटने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

जमानत के लिए पट्टा ना देने की बात पर झगड़ा: एएसपी अभिषेक झा ने बताया कि नानू निषाद नशे का आदी था। वह आए दिन लड़ाई-झगड़े करता था। पिछले महीने ही पुलिस ने उसे मोहल्ले में मारपीट के मामले में जेल भेजा था। बताया जा रहा है कि नानू ने अपने बड़े भाई श्रीराम निषाद (46 वर्ष) से जमानत के लिए पट्टा देने की बात कही थी। जब बड़े भाई पट्टा नहीं दिया तो वह झगड़ा करने लगा।

शुक्रवार शाम को भी नशे की हालत में वह अपने बड़े भाई के मकान में घुसकर झगड़ा करने लगा। यह देख भतीजा खिलावन निषाद (26 वर्ष) उससे उलझ गया। झगड़ा बढ़ने पर बड़े भाई ने बेटे के साथ मिलकर बिजली के तार से गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी।

पिता के फंड को लेकर भी था विवाद: पुलिस की जांच में ये भी पता चला है नानू निषाद का पिता गुहाराम निषाद एफसीआई गोदाम में सरकारी हम्माल था। रिटायरमेंट में उसे कुछ फंड मिला था। उसको लेकर भी नानू आए दिन घरवालों के साथ लड़ाई-झगड़ा करता रहता था।

फेसबुक फ्रेंड ने युवती का किया रेप

बातचीत के बहाने ले गया था लॉज, ब्लैकमेल कर मांगे रुपए, आरोपी भोपाल से गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, रायगढ़ एजेंसी। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में युवती से दुष्कर्म मामले में भोपाल से आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी युवक फेसबुक फ्रेंड था, उसने पहले दोस्ती की, फिर रायगढ़ के एक लॉज ले जाकर युवती से दुष्कर्म किया। इसके बाद रुपए की मांग करते हुए ब्लैकमेल करने लगा। इससे परेशान होकर युवती ने मामले की सूचना थाना में दी। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, दोनों की दोस्ती फेसबुक पर हुई। एक-दूसरे को मोबाइल नंबर शेयर कर मैसेंजर में बात करने लगे। फरवरी 2021 में भोपाल में रहने वाला प्रदीप केंवट उर्फ गोल्डी रायगढ़ आया और स्टेशन के पास युवती को मिलने बुलाया। जहां से उसे लॉज में बातचीत करने के बहाने ले जाकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाया। इसके बाद वह रुपए के लिए ब्लैकमेल करने लगा।

वीडियो वायरल करने की दी धमकी: बताया जा रहा है कि लॉज में जाने के बाद युवक ने उसके कुछ प्राइवेट फोटो, वीडियो मोबाइल पर बना लिया। इसके बाद कई बार युवक रायगढ़ आकर फोटो, वीडियो वायरल करने की धमकी देकर शारीरिक संबंध बनाया।

डेढ़ लाख दे चुकी थी: पुलिस ने बताया कि इस मामले में युवती का कहना है कि दिसंबर 2020 में प्रदीप ने युवती से मां की तबीयत खराब है कहकर 20,000 रुपए मांगे थे। तब से लेकर अब तक प्रदीप केंवट को युवती डेढ़ लाख रुपए दे चुकी है। इसके बाद भी प्रदीप उसे धमकी देता था, जिससे वह परेशान हो चुकी थी।

भोपाल से किया गिरफ्तार: मामला दर्ज होने के बाद पुलिस टीम भोपाल के लिए रवाना हुई और आरोपी प्रदीप केवंट निवासी नेहरू नगर थाना, कोटरा सुल्तानाबाद भोपाल निवासी को हिरासत में लेकर स्थानीय मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी भोपाल मध्य प्रदेश के समक्ष पेशकर ट्रांजिट रिमांड पर रायगढ़ लेकर आई। जिसके बाद मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट रायगढ़ के कोर्ट में पेश कर आरोपी को जेल भेजा गया है।

लेडी ठग ने ज्वेलर्स को लगाया 2 लाख का चूना

सोने की नकली चेन देकर ले गई असली अंगूठी और चूड़ियां, आधार-कार्ड भी दे गई

मीडिया ऑडीटर, दुर्ग एजेंसी। छत्तीसगढ़ के दुर्ग में संचेती ज्वेलर्स के संचालक को एक महिला ठग ने 2 लाख 25 हजार रुपए का चूना लगा दिया। महिला ने ज्वेलर्स को नकली सोने की चेन देकर उसके बदले में सोने की अंगूठी और चूड़ियां ले लिया। ज्वेलर्स ने सोने को चेक किया तो नकली निकला। पूरा मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है।

दुर्ग एएसपी अभिषेक झा ने बताया कि सुभाष संचेती (57 साल) ने मामले की शिकायत दर्ज कराई है। 18 जुलाई की शाम एक महिला सोने की अंगूठी और चूड़ी खरीदने के लिए दुकान आई थी। उसने एक सोने की अंगूठी और चूड़ी पसंद की। बदले में उसने सोने की एक पुरानी चेन दी और कहा कि इसको लेकर उसकी जगह अंगूठी और चूड़ी दे दीजिए।

देखने में महिला किसी अच्छे घर से लग रही थी। इसलिए सुभाष संचेती ने बिना सोने को परखे ही सोने की चेन का वजन किया। महिला को बताया कि उसकी चेन 2 लाख 18 हजार रुपए की हो रही है। साथ ही अंगूठी और चूड़ी 2 लाख 15 हजार रुपए की है। ज्वेलर्स से 3 हजार कैश और अभूषण लेकर महिला चली गई। सुभाष संचेती ने चेन गलाकर देखा तो नकली मिली।

महिला ने विश्वास जताने के लिए दिया अपना आधार कार्ड: सुभाष संचेती ने कोतवाली पुलिस को बताया कि महिला सोने की चेन चोरी की नहीं लाई है, इसका विश्वास जताने के लिए उसने अपना आधार कार्ड दिया था। नाम रीमा देवी पति गोलू पंडित निवासी दिगंबर जैन धर्मशाला के सामने चांदनी चौक नई दिल्ली लिखा हुआ था। साथ ही उसने अपना वर्तमान पता सुभाष नगर दुर्ग भी बताया। महिला ने आधार कार्ड की फोटोकॉपी में अपना हस्ताक्षर करके भी दिया था।

महिला ठग को गिरफ्तार कर पूछताछ कर रही पुलिस: संचेती ज्वेलर्स के संचालक ने बताया कि दुर्ग पुलिस ने महिला ठग को सीसीटीवी फुटेज के आधार पर गिरफ्तार कर लिया था। शुक्रवार को गिरफ्तार करने के बाद पुलिस महिला को थाने ले गई। उससे लगातार पूछताछ की जा रही है।

पुलिस की कस्टडी में कुख्यात बदमाश की मौत

कोरबा के दर्री थाने ने सिविल लाइन स्टेशन को किया था हैंडओवर, 2 पुलिसकर्मी सस्पेंड

मीडिया ऑडीटर, कोरबा एजेंसी। कोरबा जिले में कुख्यात बदमाश सूरज हथठेल की पुलिस कस्टडी के दौरान संदिग्ध हालात में मौत हो गई है। बताया जा रहा है कि शनिवार तड़के सुबह साढ़े 5 बजे पुलिसकर्मी उसे मेडिकल कॉलेज ले गए थे। जांच करने पर डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूरज की बॉडी पर चोट पाई गई है। इस मामले में दो पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया गया है।

जानकारी के मुताबिक, बुधवारी निवासी सूरज हथठेल के खिलाफ सिविल लाइन थाने के अलावा कई थाना चौकियों में आपराधिक मामले दर्ज हैं। कुछ महीने पहले ही सिविल लाइन थाना क्षेत्र में चौपाटी में सूरज ने अपने दोस्तों के साथ तीन युवकों पर धारदार हथियार से हमला कर लहूलुहान कर दिया था।

दर्री पुलिस ने सिविल लाइन पुलिस को सौंपा, 15 मिनट में मौत: सूरज के खिलाफ सिविल लाइन थाने में गंभीर अपराध दर्ज हैं। इसलिए शनिवार तड़के करीब 5:30 बजे दर्री पुलिस ने सूरज को सिविल लाइन पुलिस के हवाले किया था। सुबह 5:45 बजे में सूरज को सिविल लाइन पुलिस ने मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया।

हाफ मर्डर केस में सूरज की तलाश थी: इस मामले में सिविल लाइन पुलिस ने हत्या की कोशिश का केस दर्ज कर कुछ लोगों को गिरफ्तार किया था। वहीं, मुख्य आरोपी सूरज की पुलिसतलाश कर रही थी। सूरज हत्या की कोशिश, बलवा और आर्म्स एक्ट के 14 अलग-अलग मामलों में नामजद आरोपी और जिला बदर के लिए प्रस्तावित था।

लूटपाट की वारदात को दिया था अंजाम: कोरबा एसपी सिद्धार्थ तिवारी ने दैनिक भास्कर को बताया कि सूरज ने 18 जुलाई की रात पाली थाना क्षेत्र में स्कूटी की लूट को अंजाम दिया था। इस मामले में भी उसकी तलाश हो रही थी। 19-20 जुलाई की दरम्यानी रात 1:40 बजे सूरज को दर्री पुलिस ने हिरासत में लिया था।

कोरबा एसपी बोले- मौत की वजह के लिए एमपी रिपोर्ट का इंतजार: शव का जिला अस्पताल में पोस्टमॉर्टम कराया जाएगा। मौत का वास्तविक कारण पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद पता चल सकेगा। एसपी ने बताया कि सूरज को जो पुलिसकर्मी दर्री थाने से सिविल लाइन थाना लेकर आए थे उन्हें सस्पेंड कर दिया गया है। जांच भी की जा रही है।

वडोदरा में स्कूल की दीवार गिरी, 4 बच्चे घायल

वडोदरा (एजेंसी)। गुजरात में वडोदरा के श्री नारायण स्कूल में दूसरी मंजिल पर कमरे की एक दीवार गिरने से 4 बच्चे घायल हो गए। इस घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। इसमें 4 बच्चे बेंच सहित 10 फीट नीचे गिरते नजर आए। एक छात्र को सिर पर चोट आई है। तीन को हल्की चोटें हैं। यह घटना शुक्रवार दोपहर करीब 12:30 बजे की है। इसके बाद फायर ब्रिगेड और पुलिस को बुलाया गया। पुलिस ने बताया कि दीवार के ठीक पीछे एक शेड था। बच्चे पहले शेड पर गिरे। उसके बाद नीचे जमीन पर आए। इस कारण उन्हें गंभीर चोटें नहीं आईं। दीवार गिरने के कारण का पता लगाया जा रहा है। उधर, वडोदरा पेरेंट्स एसोसिएशन ने आज शनिवार को स्कूल संचालक के खिलाफ प्रदर्शन करने का फैसला लिया है। मामले को लेकर केस भी दर्ज कराया जा सकता है।

गोवा के समुद्र में कार्गो शिप में आग लगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण-पश्चिम गोवा के समुद्र में मेर्स्क फ्रैंकफर्ट नाम के कार्गो शिप में शुक्रवार (19 जुलाई) की दोपहर आग लग गई। आग लगने के बाद जहाज बहकर कर्नाटक के पास कारवार पहुंच गया। यहां इंडियन कोस्ट गार्ड्स के तीन जहाज आग पर काबू पाने में जुटे हुए हैं। शिप का एक क्रू मेंबर लापता है। आईसीजी ने आग को फैलने से तो रोकने में सफलता हासिल की है, लेकिन दक्षिण-पश्चिमी हवाएं, भारी लहरों और खराब मौसम के कारण आग पर काबू पाने में काफी दिक्कत हो रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक शिप पर शॉट सर्किट की वजह से लगी आग की वजह से विस्फोट हुआ। आग तेजी से डेक पर फैली गई। जिससे कंटेनरों में विस्फोट हो गया। अब तक 20 कंटेनरों तक आग फैलने की खबर है। शिप के चालक दल में 21 सदस्य शामिल थे। जिनमें फिलीपींस के 17, यूक्रेन के 2, रूस और मोटेन्ग्रो के एक-एक लोग शामिल थे। हादसे में 1 फिलीपींस चालक लापता बताया जा रहा है।

तमिलनाडु बसपा अध्यक्ष हत्या केस में भाजपा पदाधिकारी गिरफ्तार

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के बसपा प्रदेश अध्यक्ष के. आर्मस्ट्रॉन्ग (52) की हत्या के मामले में पुलिस ने भाजपा की महिला पदाधिकारी अंजलाई को गिरफ्तार किया है। नॉर्थ चेन्नई की महिला मोर्चा की पदाधिकारी अंजलाई पर आरोप है कि उन्होंने आर्मस्ट्रांग की हत्या में शामिल एक हमलावर को 10 लाख रुपए दिए थे। यह रकम उन्हें एक बदमाश से मिली थी जो किसी दूसरे मामले में वेल्लोर सेंट्रल जेल में बंद है। पुलिस के मुताबिक, महिला ने हमलावरों को शरण भी दी थी। आर्मस्ट्रांग हत्या केस में नाम आने के बाद अंजलाई को पार्टी ने निकाल दिया गया है। के. आर्मस्ट्रांग की 5 जुलाई को चेन्नई में उनके घर के बाहर बाइक सवार छह हमलावरों ने चाकू-तलवारों से हत्या का दी। हमला तब हुआ जब आर्मस्ट्रॉन्ग शाम करीब 7 बजे सेम्बियम इलाके के वेणुगोपाल स्ट्रीट पर अपने घर के कुछ पार्टी कार्यकर्ताओं से बात कर रहे थे। उन्हें अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस के मुताबिक, अब तक इस मामले में कुल 15 संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है। उनसे पूछताछ जारी है। आर्मस्ट्रांग की हत्या के एक दिन के भीतर ही 11 संदिग्धों को हिरासत में ले लिया गया था। उसके बाद 18 जुलाई को पुलिस ने सतीश, मलारकोडी और हरिहरन नाम के तीन लोगों को हिरासत में लिया।

बांग्लादेश में राष्ट्रव्यापी कर्फ्यू और भयंकर हिंसा के बीच 778 भारतीय छात्र लौटे स्वदेश : विदेश मंत्रालय

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश में राष्ट्रव्यापी कर्फ्यू और भयंकर हिंसा के बीच 778 भारतीय छात्र स्वदेश लौट आए हैं। अभी कई हजार छात्र भारतीय विदेश मंत्रालय के संपर्क में हैं। बता दें कि बांग्लादेश हिंसा में 105 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। एसके बाद प्रधानमंत्री हसीना ने राष्ट्रव्यापी कर्फ्यू लागू कर दिया है। भारतीय विदेश मंत्रालय और ढाका स्थित दूतावास स्वदेशी छात्रों की वापसी और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए 24 घंटे पूरे घटनाक्रम पर नजर बनाए हैं और उनकी मदद कर रहे हैं।

अब तक, 778 भारतीय छात्र विभिन्न भूमि बंदरगाहों के माध्यम से भारत लौट आए हैं। इसके अलावा, लगभग 200 छात्र ढाका और चटगांव हवाई अड्डों के माध्यम से नियमित उड़ान सेवाओं द्वारा घर लौट आए हैं। ढाका में भारतीय उच्चायोग और हमारे सहायक उच्चायोग बांग्लादेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों में बचे 4000 से अधिक छात्रों के साथ नियमित संपर्क में हैं। उनकी वापसी के लिए भी इंतजाम किया जा रहा है। साथ ही उन्हें सभी तरह की आवश्यक सहायता प्रदान कर रहे हैं।

नेपाल और भूटान की भी मदद: भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा कि बांग्लादेश में हिंसा के चलते नेपाल और भूटान के छात्रों की भी भारत की ओर से मदद की जा रही है। दोनों देशों की सरकारों के अनुरोध पर इन दोनों देशों के छात्रों को भी वहां से निकालने में भारत की ओर से हरसंभव सहायता दी जा रही है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि इन दोनों देशों के छात्रों को भारत में प्रवेश करने की इजाजत दी गई है। साथ ही उनकी पूरी मदद की जा रही है।

उद्धव बोले- मुंबई का नाम अडाणी सिटी नहीं होने देंगे

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने धारावी विकास परियोजना को लेकर राज्य सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। ठाकरे का कहना है कि धारावी के विकास के लिए जानबूझकर बिजनेसमैन गौतम अडाणी को टेंडर दिया गया है। धारावी का विकास होना चाहिए, अडाणी का नहीं। ठाकरे ने कहा कि धारावी के लोगों को 500 वर्ग फुट का घर मिलना ही चाहिए। हर घर में एक माइक्रो व्यापार चलता है। इसके लिए भी उपाय होना चाहिए। ये (भाजपा) मुंबई का नाम अडाणी सिटी भी कर देंगे। इनकी कोशिश चल रही है, उसे हम होने नहीं देंगे। ठाकरे ने शनिवार को कहा कि अगर उनकी पार्टी महाराष्ट्र की सत्ता में आती है तो अडाणी को दिया गया प्रोजेक्ट रद्द कर दिया जाएगा। ठाकरे ने कहा कि धारावी के लोगों को पात्र और अपात्र के चक्रव्यू में फंसाने की कोशिश की जा रही है। हमारी सरकार सत्ता में आएगी तो हम धारावी के लोगों को दूसरी जगह नहीं बसाएंगे। धारावी में ही कारोबार की उचित व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने कहा कि धारावी का विकास होना चाहिए, अडाणी का नहीं। अगर अडाणी धारावी के लोगों की डिमांड पूरी नहीं कर सकते तो दोबारा टेंडर कराया जाए। ग्लोबल टेंडर निकलना चाहिए और पारदर्शिता का पालन होना चाहिए। सरकार को जवाब देना चाहिए कि इसे अभी तक क्यों नहीं रद्द किया गया। महाराष्ट्र सरकार मुंबई में मौजूद एशिया के सबसे बड़े स्लम धारावी के डेवलपमेंट पर काम कर रही है। इसके लिए सरकार ने टेंडर निकाला, जो जुलाई 2023 में अडाणी ग्रुप को मिला। सितंबर 2023 में अडाणी ग्रुप ने एक नई कंपनी बनाई। इसका काम धारावी का विकास करना है।

जम्मू में 500 स्पेशल पैरा कमांडो तैनात

नई दिल्ली/श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू में बढ़ते आतंकी हमलों के बीच भारतीय सेना ने लगभग 500 पैरा स्पेशल फोर्स कमांडो को तैनात किया है। रक्षा सूत्रों ने बताया कि जम्मू रीजन में पाकिस्तान के 50-55 आतंकियों के छिपे होने की आशंका है। ये भारत में फिर से टेरर नेटवर्क एक्टिव करने के लिए घुसे हैं। सेना को इससे जुड़े इंटेलिजेंस इनपुट मिले हैं, जिसके बाद उन्होंने मोर्चा संभाल लिया है। इंटेलिजेंस एजेंसियां भी आतंकियों का समर्थन करने वाले ओवरग्राउंड वर्कर्स और इन्फ्रास्ट्रक्चर को खत्म करने के लिए काम कर रहे हैं। रक्षा सूत्रों के मुताबिक, जम्मू में घुसपैठ कर रहे आतंकी हाई लेवल ट्रेनिंग लेकर आए हैं। उनके पास आधुनिक हथियार और उपकरण हैं। सेना इन आतंकियों की तलाश और उन्हें खत्म करने की रणनीति पर काम कर रही है। आज आर्मी चीफ उपेंद्र द्विवेदी भी जम्मू जा रहे हैं। वे सेना के अधिकारियों के साथ जम्मू में बढ़ रही आतंकी घुसपैठ की घटनाओं को लेकर मीटिंग करेंगे। आतंकियों से मुकाबला करने के लिए सेना पहले ही 3500 से 4000 सैनिकों की अपनी ब्रिगेड उतार चुकी है। इसके अलावा जम्मू में सेना के पास पहले से ही एक काउंटर-टेररिस्ट इन्फ्रास्ट्रक्चर है, जिसमें रोमियो और डेल्टा फोर्सेज के साथ-साथ राष्ट्रीय राइफल्स की दो फोर्सेज शामिल हैं।

यूपीएससी से जुड़े कई घोटाले राष्ट्रीय चिंता का विषय हैं, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रशिक्षु आईएएस पूजा खेडकर से संबंधित विवाद के बीच यूपीएससी अध्यक्ष मनोज सोनी के इस्तीफे के बाद कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे ने शनिवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने भाजपा-आरएसएस पर भारत के संवैधानिक निकायों के संस्थागत अधिग्रहण में व्यवस्थित रूप से शामिल होने का आरोप लगाया और कहा कि यूपीएससी को परेशान करने वाले कई घोटाले राष्ट्रीय चिंता का कारण हैं। खरगे ने पोस्ट करते हुए कहा, भाजपा-आरएसएस भारत के संवैधानिक निकायों के संस्थागत अधिग्रहण में व्यवस्थित रूप से शामिल हैं, जिससे उनकी प्रतिष्ठा, अखंडता और स्वायत्तता को नुकसान पहुंच रहा है! यूपीएससी में हुए कई घोटाले राष्ट्रीय चिंता का कारण हैं। पीएम मोदी और उनके कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्री को सफाई देनी चाहिए। जाति और मेडिकल प्रमाणपत्रों में फर्जीवाड़ा करने वाले अयोग्य व्यक्तियों के कई मामलों ने एक फुलप्रूफ सिस्टम को धोखा दिया है।

उन्होंने आगे कहा कि यह अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के उम्मीदवारों सहित लाखों अभ्यर्थियों की वास्तविक आकांक्षाओं का सीधा अपमान है, जो सिविल सेवा परीक्षाओं की तैयारी में रात-दिन कड़ी मेहनत करते हैं। उन्होंने कहा, यह बहुत ही निराशाजनक है कि यूपीएससी अध्यक्ष ने अपना कार्यकाल समाप्त होने से पांच साल पहले ही इस्तीफा दे दिया।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद एनटीए ने जारी किया नीट-यूजी का रिजल्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) ने शनिवार को आधिकारिक वेबसाइट पर राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा स्नातक (नीट-यूजी) 2024 के परिणामों का राज्यवार और केंद्रवार डेटा घोषित किया। सुप्रीम कोर्ट ने 18 जुलाई को एनटीए को 20 जुलाई तक नीट यूजी के परिणाम घोषित करने का निर्देश दिया था। भारत के मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने आदेश दिया कि परिणाम शनिवार दोपहर 12 बजे तक अलग-अलग, शहरवार और केंद्रवार प्रकाशित किए जाएं।

जानबूझकर कम कैलोरी ले रहे हैं केजरीवाल, दिल्ली के उपराज्यपाल ने मुख्य सचिव को लिखा पत्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के उपराज्यपाल वी के सक्सेना ने आरोप लगाया है कि न्यायिक हिरासत के तहत तिहाड़ जेल में बंद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल उन्हें दी जा रही भोजन की चिकित्सकीय खुराक और दवाएं संभवतः जानबूझकर नहीं ले रहे। उपराज्यपाल ने मुख्य सचिव नरेश कुमार को लिखे पत्र में केजरीवाल के स्वास्थ्य की स्थिति के बारे में जेल अधीक्षक की रिपोर्ट का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री द्वारा ''जानबूझकर कम कैलोरी लिए जाने के कई उदाहरण हैं, जबकि उन्हें घर का बना खाना पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध कराया जा रहा है। इस मामले पर आम आदमी पार्टी (आप) की सरकार ने तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। उपराज्यपाल कार्यालय ने कहा कि सक्सेना ने जेल प्राधिकारियों को सुझाव दिया है कि वे मुख्यमंत्री को निर्धारित आहार के अलावा दवा और इंसुलिन की तय खुराक लेने की सलाह दे सकते हैं, क्योंकि केजरीवाल 'टाइप-2 मधुमेह से पीड़ित हैं।

आम आदमी पार्टी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और उसकी अगुवाई वाली केंद्र सरकार पर जेल में बंद केजरीवाल के स्वास्थ्य को स्थायी नुकसान पहुंचाने की ''साजिश रचने का आरोप लगाया है और दावा किया है कि आप प्रमुख का वजन कम हो गया है तथा उनके रक्त शर्करा स्तर में गिरावट आई है।

यूपी उपचुनाव में 10 में 4 सीटें चाहती है कांग्रेस

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी में लोकसभा चुनाव में भाजपा का विजय रथ रोकने वाली सपा और कांग्रेस एक बार फिर उप-चुनाव में एनडीए से मुकाबले को तैयार हैं। 10 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होना है। 9 सीटें विधायकों के सांसद चुने जाने से खाली हुईं। एक सीट विधायक को दो साल से ज्यादा की सजा होने से खाली हुई। जिन 10 सीटों पर उपचुनाव होना है, उनमें 5 सपा, 3 भाजपा, एक-एक रालोद और निषाद पार्टी के पास रहीं हैं। 2022 में विधानसभा चुनाव में सपा और रालोद साथ मिलकर चुनाव लड़े थे। अब रालोद भाजपा के साथ है। सपा और कांग्रेस मिलकर चुनाव लड़ने जा रहे हैं। चुनाव को लेकर सपा की रणनीति क्या है? सीटों को लेकर कांग्रेस से तालमेल की क्या स्थिति है? किन सीटों पर पेच फंसा है? इन सीटों पर सपा के कौन से नेता दावेदार हैं? अखिलेश की क्या सीक्रेट रणनीति है। इस पर विस्तार से पढ़िएज् लोकसभा चुनाव के बाद इंडी गठबंधन और एनडीए के बीच यूपी में पहला बड़ा टेस्ट होने जा रहा है। सपा और कांग्रेस के नेता पूरी तैयारी में जुटे हैं। कांग्रेस चाहती है, उसे कम से कम 4 सीटें मिलें। सपा उसे 2 सीट से ज्यादा देने के मूड में नहीं। ये 2 सीटें गाजियाबाद और अलीगढ़ की खैर सीट हैं।

हरियाणा में आप की 5 गारंटी

पंचकूला (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी हरियाणा में पहली बार सभी 90 सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी में है। इसकी शुरुआत पार्टी के सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल ने शनिवार (20 जुलाई) को हरियाणा के लिए 5 गारंटियों का ऐलान कर की। इसमें फ्री बिजली, महिलाओं को हर महीने 1000 रुपए, फ्री इलाज, मुफ्त शिक्षा और हर युवा बेरोजगार को रोजगार देना शामिल है। हालांकि, क्क ने पंजाब में भी महिलाओं को हर महीने 1000 रुपए देने का ऐलान किया था, लेकिन अभी तक ये वादा पूरा नहीं हो पाया है। सुनीता केजरीवाल ने पंचकूला के इंद्रधनुष ऑडिटोरियम में ये गारंटियां लॉन्च की। उनके साथ पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान, राज्य सभा सांसद संजय सिंह और राष्ट्रीय संगठन महामंत्री संदीप पाठक भी मौजूद रहे।

बकाया बिजली बिल माफ करेंगे-24 घंटे घरेलू बिजली फ्री मिलेगी। दिल्ली और पंजाब की तरह हरियाणा में पुराने घरेलू सारे बकाया बिजली बिल माफ किए जाएंगे। पावर कट बंद होंगे। दिल्ली और पंजाब की तरह 24 घंटे बिजली का इंतजाम किया जाएगा।

मोहल्ले में मोहल्ला क्लिनिक बनाएंगे- दूसरी गारंटी- सबको अच्छा और फ्री इलाज है। दिल्ली और पंजाब की तरह हर गांव और शहरों के हर मोहल्ले में मोहल्ला क्लिनिक बनाएंगे। सभी सरकारी अस्पतालों का कायाकल्प किया जाएगा और नए सरकारी अस्पताल बनाए जाएंगे।

बांग्लादेश में हो रही राष्ट्रव्यापी हिंसा और झड़प के बीच 778 भारतीय छात्र लौटे स्वदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश में हो रहे राष्ट्रव्यापी हिंसा और झड़प के दौरान 778 भारतीय छात्र भारत लौट आएं हैं और कई हजार छात्र भारतीय विदेश मंत्रालय के संपर्क में है। आपको बता दें कि बांग्लादेश में हिंसा के दौरान 105 लोगों की जान जा चुकी है। इसके बाद प्रधानमंत्री सेख हसीना ने कर्फ्यू लगा दिया। इस दौरान भारतीय विदेश मंत्रालय और ढाका स्थित दूतावास भारतीय छात्रों की वापसी और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए 24 घंटे पूरे घटनाक्रम पर नजर बनाए हैं। अब तक, 778 भारतीय छात्र विभिन्न बंदरगाहों के रास्तों से भारत लौट आए हैं। साथ ही, लगभग 200 छात्र ढाका और चटगांव हवाई अड्डों के माध्यम से नियमित उड़ान सेवाओं द्वारा घर लौट आए हैं। ढाका में भारतीय उच्चायोग और हमारे सहायक उच्चायोग बांग्लादेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों में बचे 4000 से अधिक छात्रों के संपर्क में हैं और उनकी वापसी की व्यवस्था की जा रही है। नेपाल और भूटान की भी भारत की और से मदद की जा रही है जिसकी जानकारी विदेश मंत्रालय ने दी। दोनों देशों की सरकारों ने भारत से अनुरोध किया था

3 नए आपराधिक कानून लागू

गृह मंत्री शाह बोले- अब दंड की जगह न्याय मिलेगा, 77 साल बाद न्याय व्यवस्था स्वदेशी हुई

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में अंग्रेजों के जमाने से चल रहे कानूनों की जगह 3 नए कानून भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 1 जुलाई से लागू हो गए हैं। इन्हें आईपीसी (1860),आईपीसी (1973) और एविडेंस एक्ट (1872) की जगह लाया गया है। कानूनों के लागू होने के बाद गृह मंत्री अमित शाह ने मीडिया को इन कानूनों की जानकारी दी। शाह ने कहा कि आजादी के 77 साल बाद क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम अब पूरी तरह से स्वदेशी हो गया है। शाह बोले- अब दंड की जगह न्याय मिलेगा। मामलों में देरी की जगह स्पीडी ट्रायल होगा। साथ ही सबसे आधुनिक क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम बनेगा। गृहमंत्री के मुताबिक देशभर में 22.5 लाख से ज्यादा पुलिसकर्मियों को नए क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम की ट्रेनिंग 12 हजार से ज्यादा मास्टर ट्रेनर्स ने दी है। लोकसभा में 9.29 घंटे चर्चा हुई, उसमें 34 सदस्यों ने भाग लिया। राज्यसभा में 6 घंटे से ज्यादा चर्चा हुई।

इसमें 40 सदस्यों ने भाग लिया। शाह ने कहा कि यह भी झूठा कहा जा रहा है कि विधेयक को सांसदों को बाहर भेजे जाने (निलंबित किए जाने) के बाद लाया गया। विधेयक को पहले ही कार्य मंत्रणा समिति के पास भेजा जा चुका था। इन कानूनों के लागू होने के साथ ही देश में सबसे पहला केस ग्वालियर में दर्ज हुआ। इस बात की जानकारी शाह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी।

बिहार में बिगड़ती कानून व्यवस्था को लेकर इंडिया गठबंधन ने निकाला प्रतिरोध मार्च

पटना (एजेंसी)। बिहार में बिगड़ते लॉ एंड आर्डर को लेकर इंडिया गठबंधन ने पटना सहित पूरे बिहार में प्रतिरोध मार्च निकाला। यह मार्च पटना के इनकम टैक्स चौराहा से डाक बंगला चौराहे तक निकला।

इस मार्च में राजद, कांग्रेस, वीआईपी सहित लेफ्ट के नेताओं ने प्रदर्शन किया। वहीं, इस मार्च को लेकर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश सिंह ने कहा कि बिहार में लॉ एंड आर्डर की स्थिति बदतर हो गई है। बिहार में अपराधियों का खौफ है। इस मार्च के माध्यम से सरकार को जगाना है। बता दें कि शुक्रवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 1 अणे मार्ग स्थित %संकल्प% में विधि व्यवस्था की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में मुख्यमंत्री को गृह विभाग के प्रधान सचिव अरविंद कुमार चौधरी ने गृह विभाग द्वारा किये जा रहे कार्यों के संबंध में तथा पुलिस महानिदेशक आर0एस0 भट्टी ने अपराध नियंत्रण को लेकर किए जा रहे कार्यों की अद्यतन स्थिति की जानकारी दी।

गावस्कर ने तेज गेंदबाजों के बार-बार ड्रिंक ब्रेक लेने के प्रचलन को गलत बताया

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने कहा है कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में आजकल जिस प्रकार तेज गेंदबाजों के लिए बार-बार ड्रिंक ब्रेक का प्रचलन शुरु हुआ है। वह सही नहीं है और इसे समाप्त कर देना चाहिये। खेल के दौरान आधिकारिक ड्रिंक ब्रेक के अलावा इस प्रकार का कोई ब्रेक जरुरी नहीं है। आजकल देखा गया है कि कई बार टीमें अपने तेज गेंदबाजों के लिए सीमा रेखा के पास ड्रिंक भी उपलब्ध कराती हैं। गावस्कर ने इन खिलाड़ियों के फिटनेस स्तर पर भी सवाल उठाया और कहा कि उन्हें केवल छह गेंदों के बाद पानी की जरूरत कैसी होती है। वहीं बल्लेबाज आधिकारिक ड्रिंक ब्रेक का इंतजार करते हैं। गावस्कर ने लिखा, क्रिकेट में, गेंदबाजों, खासकर तेज गेंदबाजों द्वारा ओवर पूरा करने के बाद बाउंड्री लाइन पर ताजा पेय लेने की आधुनिक प्रथा अधिकारियों द्वारा इस प्रथा की अनदेखी का एक उदाहरण है। अगर गेंदबाज छह गेंदों पर पूरी ताकत लगाने के बाद अपने को हाइड्रेट करने जा रहे हैं, तो फिर ड्रिंक्स ब्रेक का मतलब क्या रह जाएगा जबकि बल्लेबाज को ओवर के बाद ड्रिंक लेने का मौका नहीं मिलता।

पेरिस ओलंपिक में अच्छा प्रदर्शन करना है हॉकी खिलाड़ी राजकुमार का लक्ष्य

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय हॉकी टीम में शामिल उत्तर प्रदेश के गाजीपुर के राजकुमार का लक्ष्य पेरिस ओलंपिक मे अच्छा प्रदर्शन कर देश ओर प्रदेश का नाम रौशन करना है। राजकुमार के अलावा उनके दो ओर भाई भी राष्ट्रीय स्तर पर खेले हैं पर अंतराष्ट्रीय स्तर पर खेलने का अवसर केवल राजकुमार को ही मिला है। 26 वर्ष के इस मिडफील्डर ने कहा, 'मेरे गांव के मैदान से खेलकर कई लड़कों को हॉकी के जरिए नौकरी मिल गई पर यहां तक कोई नहीं पहुंचा। मेरे गांव के लोगों की नजरें मुझ पर है और मैं अपने भाइयों और उन सभी के अधूरे सपने पूरा करने के लिए पेरिस में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन का प्रयास करुंगा। राजकुमार ने साल 2018 में बेल्जियम में पांच देशों के अंडर 23 टूर्नामेंट खेलने के बाद साल 2020 में भारतीय टीम में जगह बनायी थी। अब तक उन्होंने 53 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। उनके जीवन में कठिन समय भी रहा। पिछली बार टोक्यो ओलंपिक के लिए टीम में जगह नहीं मिलने के बाद भी वह हिम्मत नहीं हारे ओर प्रयास करते रहे। इससे अब उन्हें पेरिस जाने का अवसर मिला है। उन्होंने कहा, 'जब ओलंपिक टीम में चयन की खबर मिली थी तो अपना अतीत याद करके मेरे आंसू निकल गए।

मैं अपने अतीत को कभी नहीं भूलता और इससे प्रेरणा मिलती है।

गर्लफ्रेंड के साथ शादी के बंधन में बंधा ये भारतीय क्रिकेटर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम के बल्लेबाज दीपक हुड्डा ने अपनी लॉन्ग टाइम गर्लफ्रेंड से शादी रचा ली है। हिमाचल की अपनी गर्लफ्रेंड से शुक्रवार को हुड्डा ने निजी समारोह के दौरान सात फेरे लिए। इस समारोह में परिवार के सदस्य और कुछ दोस्त शामिल हुए। वहीं शादी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर करके दीपक हुड्डा ने इसकी जानकारी दी। दीपक हुड्डा ने अपने इंस्टाग्राम पर तस्वीरें शेयर करते हुए एक प्यारा सा मैसेज भी लिखा। दीपक ने लिखा कि, 9 साल के इंतजार के बाद, हर पल, हर सपना और हर बातचीत ने हमें इस खूबसूरत दिन तक पहुंचाया। अगर हम एक-दूसरे को थोड़ी देर और थामे रहें, ऐसी कहानियां बुनें जो सिर्फ हमारे दिल ही सुन सकें और अगर हम थोड़े खोए हुए लगें, तो माफ करना। क्योंकि हमने आखिरकार एक-दूसरे को पा लिया है।

वहीं दीपक ने आगे लिखा कि, घर में स्वागत है, मेरी छोटी-सी हिमाचली दुल्हन, परिवार और दोस्तों से घिरे हुए और उनके आशीर्वाद से सराबोर होकर, हमने हमेशा के लिए अपना जीवन शुरू कर दिया। हमारा दिल भर गया है, आप सभी का शुक्रिया।

ओलंपिक में अमन , विनेश सहित सभी पहलवानों पर जीत के लिए रहेगा दबाव

नई दिल्ली । पेरिस ओलंपिक खेलों में इस बार भारत की ओर से पुरुष वर्ग में अमन सहरावत ही प्रवेश हासिल कर पाये हैं। वहीं महिला वर्ग में विनेश फोगाट सहित पांच खिलाड़ियों ने प्रवेश हासिल किया है। ऐसे में इन पहलवानों पर पदक जीतने का दबाव रहेगा। इसका कारण ये है कि भारतीय पहलवानों का प्रदर्शन ओलंपिक खेलों में हमेशा अच्छा रहा है। ऐसे में इस बार भी पहलवानों पर बेहतर प्रदर्शन का दबाव रहेगा। अमन सहरावत (पुरुष फ्रीस्टाइल 50 किग्रा) = अमन ने 57 किग्रा भार वर्ग में रवि दहिया की जगह ओलंपिक टिकट हासिल किया है। उनका दमखम और धैर्य बनाए रखना मजबूर पक्ष है। अगर मुकाबला 6 मिनट तक चलता है तो उन्हें हराना आसान नहीं होगा। उनके खेल में रणनीति की कमी है और उनके पास दूसरी योजना भी नहीं रहती है। ऐसे में उनके लिए पेरिस में विरोधी मुश्किलें पैदा कर सकते हैं।

विनेश फोगाट (महिला 50 किग्रा)- विनेश फोगाट भारत की सबसे अनुभवी महिला पहलवानों में से एक हैं। मजबूत रक्षण और उतना ही प्रभावशाली आक्रमण उनकी ताकत है पर पिछले एक साल में उन्हें शीर्ष खिलाड़ियों के खिलाफ खेलने का अवसर मौका मिला है। इसके अलावा वह कम वजन वर्ग में भाग ले रही है। इसके लिए उन्हें अपना वजन कम करना होगा। अंतिम पंघाल (महिला 53 किग्रा)- अंतिम पंघाल पेरिस ओलंपिक कोटा हासिल करने वाली पहली पहलवान रही हैं। अंतिम का मजबूत पक्ष उनका लचीलापन है जिससे वह विरोधी की पकड़ से जल्दी बाहर निकल जाती है। उन्होंने हालांकि एशियाई खेलों में भाग नहीं लिया और पीठ की चोट के कारण उन्हें इस साल एशियाई चैम्पियनशिप से बाहर होना पड़ा। ऐसे पिछले कुछ समय में कम प्रतियोगिताओं में भाग लेने से अभ्यास की कमी उनके लिए नुकसानदेह हो सकती है रीतिका हुड्डा (महिला 76 किग्रा)-रीतिका अपनी ताकत के बल पर मजबूत खिलाड़ियों को भी हैरान कर देती हैं। इससे अनुभवी पहलवानों के लिए भी उन्हें हराना कठिन रहा है। रीतिका के पास ताकत और तकनीक है पर वह मुकाबले के आखिरी 30 सेकंड में अंक खो देती हैं। अगर वह बढ़त भी बना लेती है, तो भी वह उन अंकों को खो सकती है।

अंशु मलिक (महिला 57 किग्रा)- जूनियर स्तर पर अच्छा प्रदर्शन करने के बाद सीनियर स्तर में जगह बनाने वाली अंशु पदक के दावेदारों में शामिल है। मैट पर तेज़ी से मूवमेंट करना और आक्रामक खेल शैली अंशु की सबसे बड़ी ताकत है। हालांकि उनकी फिटनेस कमजोर कड़ी है। वह कंधे की चोट से परेशान रही हैं। उनका दावा है कि यह सिर्फ गर्दन की ऐंठन है, लेकिन उसका परीक्षण नहीं किया गया है।

निशा दहिया (महिला 68 किग्रा)- निशा ने शुरू में काफी उम्मीद जगाई लेकिन चोटिल होने के कारण उनकी प्रगति पर प्रभाव पड़ा। वह अपनी आक्रामक शैली से मजबूत प्रतिद्वंदी को भी हैरान कर देती है। वह निडर होकर खेलती है जो उनका मजबूत पक्ष है। उन्हें हालांकि बड़ी प्रतियोगिताओं में खेलने का कम अनुभव है जो उनकी कमजोरी है। इसके अलावा मुकाबला लंबा चलने पर वह शिथिल पड़ जाती है।

भारत की कप्तानी से नजरअंदाज किये जाने के बाद हार्दिक का मुंबई इंडियंस के नेतृत्व करने पर संदेह

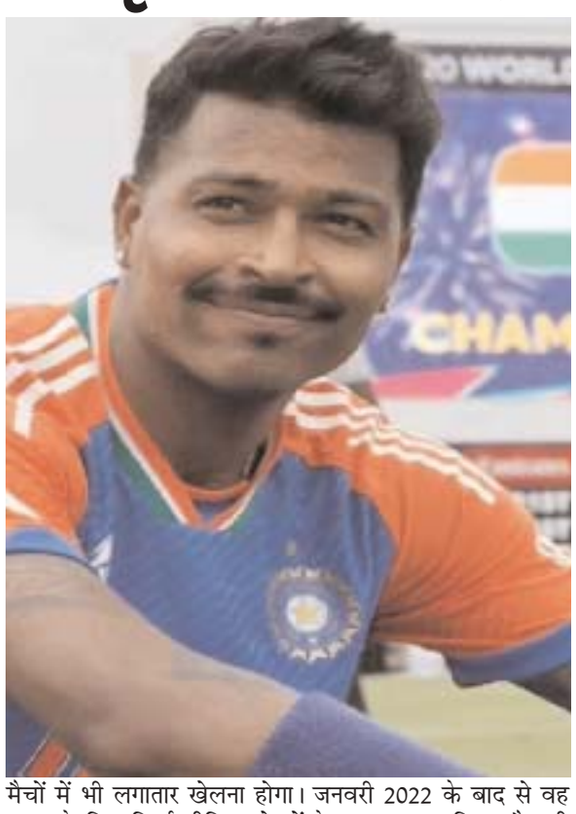

नयी दिल्ली (एजेंसी)। टी20 विश्व कप में भारत की खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाने वाले हार्दिक पंड्या के लिए राष्ट्रीय टीम में चीजें काफी बदल गयी है। टी20 विश्व कप के दौरान भारत के उपकप्तान रहे हार्दिक को श्रीलंका दौरे के लिए टी20 टीम की कमान नहीं सौंपी गयी। सूर्यकुमार यादव खेल के सबसे छोटे प्रारूप में भारतीय टीम की अगुवाई करेंगे। भारत की कप्तानी के दायित्व से मुक्त होने के बाद यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या आईपीएल टीम मुंबई इंडियंस इस हरफनमौला खिलाड़ी को कप्तान बनाए रखेगी। मुंबई की फ्रेंचाइजी ने आईपीएल के सबसे सफल कप्तान रोहित शर्मा की जगह पिछले सत्र से पहले हार्दिक को कप्तान बनाया था। टी20 विश्व कप का खिताब जीतने के बाद रोहित भारतीय खेल जगत में महेंद्र सिंह धोनी जैसे खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो गये है। आईपीएल की इस साल बड़ी नीलामी होनी है और ऐसे में यह देखना होगा कि रोहित मुंबई की टीम के साथ बने रहेंगे या नहीं। हार्दिक और रोहित के अलावा सूर्यकुमार यादव और जसप्रीत बुमराह भी टीम की अगुवाई करना चाहते हैं। आईपीएल संचालन समिति ने अभी तक यह घोषणा नहीं की है कि वे कितने खिलाड़ियों को रिटेन करने की अनुमति देंगे। इस बात की संभावना है कि फ्रेंचाइजी को एक विदेशी सहित चार खिलाड़ियों को रिटेन करने की अनुमति मिले। फ्रेंचाइजी टीमों को अगले कुछ वर्षों के लिए मजबूत टीम बनाने पर कुछ कठोर फैसले लेने होंगे। गुजरात टाइटंस के लिए कमाल करने वाले हार्दिक की कप्तानी में मुंबई इंडियंस का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। गुजरात की टीम में हार्दिक के मार्गदर्शन के लिए आशीष नेहरा मौजूद थे लेकिन मुंबई के साथ उन्हें कोच मार्क बाउचर से उस तरह का मार्गदर्शन नहीं मिला। गौतम गंभीर के मुख्य कोच बनने से हार्दिक की कप्तान बनने की संभावनाएं प्रभावित हुई है। इसमें हालांकि अजीत अगरकर के नेतृत्व वाली चयन समिति का भी अहम योगदान रहा जिसका मानना था कि एक कप्तान के तौर पर हार्दिक रणनीतिक तौर पर अच्छे नहीं रहे है। युवा खिलाड़ी भी उनसे ज्यादा सूर्यकुमार यादव के साथ सहज रहेंगे। हार्दिक के लिए खुद को अहम बनाये रखने के लिए श्रीलंका में खेले जाने वाले टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। उन्हें घरेलू मैचों में भी लगातार खेलना होगा। जनवरी 2022 के बाद से वह भारत के लिए सिर्फ सीमित ओवरों के लगभग 50 प्रतिशत मैच ही खेल पाये हैं। उन्होंने इस दौरान 79 में से 46 टी20 अंतरराष्ट्रीय और 59 में से सिर्फ 23 एकदिवसीय मैच खेले हैं। भारतीय क्रिकेट में उतार-चढाव होते रहते हैं और हार्दिक को अगर अगले साल चैम्पियंस ट्रॉफी में खेलना है तो उन्हें दिसंबर में बड़ौदा के लिए विजय हजारे ट्रॉफी में खेलना होगा।

टीम चयन में दिखा गंभीर का प्रभाव , अय्यर की हुई वापसी

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के नये मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कामकाज संभालते ही टीम बदलकर रख दी है। इसी कारण भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को उनकी मांग मानते हुए एकदिवसीय और टी20 के लिए अलग-अलग टीमें बनायी हैं। एकदिवसीय टीम की कप्तानी जहां रोहित शर्मा के पास बरकरार है। वहीं टी20 की कप्तानी सूर्यकुमार यादव को मिल गयी है। इससे साफ है कि चयनसमिति ने गंभीर के सुझावों को पूरी तरह से माना है। इसी कारण टी20 में हार्दिक पंड्या को कप्तानी नहीं मिल पायी। इसके अलावा एकदिवसीय टीम में श्रेयस अय्यर की वापसी भी दिखा रही है कि गंभीर कितने प्रभावी हैं। अय्यर को घरेलू क्रिकेट की उपेक्षा के कारण बाहर कर दिया गया था पर वह गंभीर के बेहद करीबी हैं। रोहित के इस दौरे के लिए उपलब्ध होने के कारण एकदिवसीय कप्तानी को लेकर कोई सवाल नहीं था पर टी20 में कप्तान का चयन कई दावेदारी के होने के कारण मुश्किल था। कप्तानी के बड़े दावेदार पंड्या ने 3 एकदिवसीय और 16 टी20 मैचों में भारत की कप्तानी की है। . टी20 विश्व कप में भी वह उपकप्तान रहे हैं। बीसीसीआई 2022 से ही उन्हें बतौर कप्तान तैयार कर रहा था पर गंभीर के आते ही हालात बदल गये। पंड्या का कमजोर पक्ष ये है कि वह बार-बार चोटिल होते रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार गंभीर ने इसी कारण पंड्या की जगह सूर्यकुमार को कप्तान बनाने की पेशकश की थी। सूर्यकुमार को एकदिवसीय में शामिल नहीं किये जाने से साफ है कि गंभीर प्रारुप से हिसाव से टीम चयन में भरोसा करते हैं। वहीं एकदिवसीय टीम में अय्यर की वापसी भी गंभीर के आते ही हुई है। अय्यर कोलकाता नाइटराइडर्स के कप्तान हैं जबकि इस टीम के मेंटोर गंभीर थे। इसी कारण गंभीर के आते ही अय्यर को एक और अवसर मिल गया। अय्यर को इसी साल बीसीसीआई ने अनुशासनहीनता के आरोप में टीम से बाहर कर दिया था और उन्हें सालाना अनुबंध भी नहीं दिया था इसके अलावा गेंदबाज हर्षित राणा को एकदिवसीय टीम में शामिल किये जाने में गंभीर की राय अहम रही होगी।

जब पुरुष टीम को ट्रॉफी जीतने में 10 साल... आईसीसी ट्रॉफी जीतने पर स्नेह राणा ने दिया बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला टीम आज पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप 2025 में अपने अभियान की शुरुआत करेगी। वहीं भारतीय टीम एशिया कप 2025 को जीतने की सबसे बड़ी दावेदार है। हालांकि, टीम की असली परीक्षा अक्टूबर में टी20 वर्ल्ड कप और अगले साल होने वाले वनडे वर्ल्ड कप में होगी। फिलहाल टीम की स्पिन ऑलराउंडर स्नेह राणा का कहना है कि रोहित शर्मा एंड कंपनी के हाल में टी20 वर्ल्ड कप ट्रॉफी जीतने से भारतीय महिला टीम को भरोसा मिला है कि वे अपनी पहली आईसीसी ट्रॉफी जीतने की मुहिम को जारी रखेंगे। स्नेह राणा ने शुक्रवार को पीटीआई से कहा कि, अगर आप पिछले दो-तीन साल में भारतीय महिला क्रिकेट टीम का प्रदर्शन देखो तो टीम अपना सर्वश्रेष्ठ कर रही है। उन्होंने कहा कि, आईसीसी ट्रॉफी जीतने की बात करें तो पुरुष टीम का उदाहरण देखिए, उन्हें ट्रॉफी जीतने में लगभग 10 साल लगे।

वे लंबे समय से मेहनत और तैयारी कर रहे थे। स्नेह ने आगे कहा कि, कुछ बड़ा हासिल करना है तो ये रातोंरात नहीं होगा, इसमें समय लगेगा। इसके लिए काफी संघर्ष और बलिदान लगेगा। लेकिन अंत में हम ऐसा करेंगे। क्षेत्ररक्षण टीम के लिए चिंता का विषय रहा है लेकिन उनका कहना है कि इसमें सुधार करने के लिए जज्बे में कोई कमी नहीं हुई है। 2014 में डेब्यू करने वाली स्नेह राणा ने कहा कि, जब हम इतने मैच खेलते हैं तो गलतियों का काफी ज्यादा मौका होता है। लेकिन इसका मतलब ये नहीं है कि कोई खिलाड़ी इसमें खराब है। निश्चित रूप से जब आप मैदान पर होते हो तो आप अपने देश के लिए सर्वश्रेष्ठ करना चाहते हो। भारत के लिए 25 टी20 अंतर्राष्ट्रीय और 27 वनडे खेलने वाली स्नेह राणा ने कहा कि, जहां तक आईसीसी ट्रॉफी का संबंध है तो हम जितने ज्यादा मैच खेलेंगे, उतने ही अनुभवी बनेंगे। स्नेह राणा को एशिया कप अभियान के लिए टीम में शामिल नहीं किया गया है और उनके सामने सफेद गेंद की टीम में अपना स्थान हासिल करने की चुनौती है। उन्होंने कहा कि, जब मुझे टीम में शामिल नहीं किया गया तो मैं थोड़ी निराश हो गई थी। आप भारत के लिए खेलना चाहते हैं भले ही ये टेस्ट क्रिकेट हो या फिर सफेद गेंद का क्रिकेट।

विराट के खिलाफ इस कारण छेड़खानी करते थे पेन

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व टेस्ट कप्तान टिम पेन विरोधी टीमों के खिलाड़ियों से विवादों को लेकर हमेशा ही चर्चाओं में बने रहते हैं। पेन का मानना है कि वह विराट के खिलाफ भी छेड़खानी करते थे और इसमें उन्हें काफी मजा आता था। पेन के अनुसार जो लोग कहते हैं कि विराट को मत छेड़ो क्योंकि वह और आक्रामक बल्लेबाजी करने लगता है। ऐसे लोगों पर मुझे काफी गुस्सा आता है क्योंकि मैं इस बात को नहीं मानता। विराट की कप्तानी में भारतीय टीम के खिलाफ हुई सीरीज में टेन ऑस्ट्रेलियाई टीम के कप्तान थे और उनका विराट से काफी विवाद हुआ था। पेन ने कहा, अगर आप विराट नहीं छेड़ते हैं तो भी वह ज्यादातर अवसरों पर रन बनाते हैं। इसलिए इससे ज्यादा प्रभाव नहीं पड़ता है कि आप उससे बात कर रहे हैं या नहीं कर रहे हैं। मैं विराट को बहुत ज्यादा उकसाने के प्रयास नहीं करता था केवल उनका ध्यान भटकाने के प्रयास करता था जिससे कि वह अपना ध्यान खो दें और आउट हो जायें। पेन ने कहा, मुझे लेकिन इस बात से चिढ़ है, जो लोग कहते हैं कि विराट को मत उकसाओ क्योंकि किसी से बात करने से कुछ नहीं हो जाता है। आप उससे सीधे लड़ाई नहीं करना चाहेंगे क्योंकि उसे भी ये सब पसंद है। मैं उसे बस थोड़ा सा छेड़ रहा था।

कपिल ने ओलंपिक में भाग ले रहे खिलाड़ियों को दी ये सलाह

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव ने ओलंपिक में भाग ले रहे भारतीय खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे बिना किसी दबाब के आजाद होकर अपने अनुसार खेलें। कपिल ने उम्मीद जतायी कि इस बार भारत के पदकों का आंकड़ा दो अंकों तक पहुंच जायेगा। ओलंपिक खेल पेरिस में 26 जुलाई से 11 अगस्त हो खेले जाएंगे। इस खेलों में भारत का 117 सदस्यीय दल भाग ले रहा है। करेगा और देश को तोक्यो में जीते सात पदकों की संख्या को बेहतर करने की उम्मीद है। कपिल ने कहा, 'मैं किसी खिलाड़ी के लिए कुछ नहीं कह सकता पर उन्हें शुभकामनाएं जरुर दे सकता हूं और उम्मीद करता हूं कि हम इस साल और अधिक पदक जीतेंगे। उन्होंने कहा, 'मेरी सही खिलाड़ियों को सलाह है कि वह अपने अनुसार आजादी से खेलें और सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन का प्रयास करें। सभी को दल से अधिक से अधिक पदकों की उम्मीदें रहेंगी। वहीं कपिल ने भारतीय क्रिकेट को लेकर उम्मीद जतायी कि नये मुख्य कोच गौतम गंभीर के आने से टीम पहले से और बेहतर प्रदर्शन करेगी।

कपिल ने गंभीर के साथ ही टीम को भी शुभकामनाएं दी हैं। वहीं गोल्फ को लेकर कपिल ने उम्मीद जताई कि देश में यह खेल आगे बढ़ता रहेगा।

अधूरे बने नागौद अस्पताल के लोकार्पण पर भड़कीं राज्यमंत्री बागरी

औचक निरीक्षण पर पहुंचीं थी, मौके पर हालत देख कर लगाई बीएमओ को फटकार

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। शासकीय अस्पताल नागौद का निरीक्षण करने पहुंचीं प्रदेश की नगरीय विकास राज्यमंत्री का गुस्सा बद इंतजामी और अधूरी बनी अस्पताल की बिल्डिंग के लोकार्पण पर भड़क उठा। उन्होंने बीएमओ को फटकार लगाई और पूछा कि जब काम पूरा नहीं था तो आखिर ऐसी भी क्या जल्दी थी ?

शनिवार को अपने जन्मदिन पर सिंहपुर रोड पर स्थित खैरुआ सरकार हनुमान मंदिर में आयोजित भंडारे में शामिल होने जा रहीं राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी अचानक नागौद के सरकारी अस्पताल का निरीक्षण करने जा पहुंचीं। इस दौरान उन्हें पता चला कि अस्पताल के नए भवन में अभी तमाम कमियां है तो वे उन खामियों को देखने चल पड़ीं। राज्यमंत्री को अस्पताल में न तो टॉयलेट कंप्लीट बने मिले, न खिड़कियां लगी पाई गईं और न ही नल लगे मिले। इतना ही नहीं अस्पताल में इलेक्ट्रिक फिटिंग और फायर सेफ्टी का काम भी अधूरा पड़ा मिला।

यह सब देख उनका गुस्सा भड़क उठा और उन्होंने वहां मौजूद बीएमओ तथा अन्य लोगों को फटकार लगाना शुरू कर दिया। राज्यमंत्री ने पूछा कि जब काम अधूरा है,बुनियादी जरूरतों से जुड़ी व्यवस्थाएं भी नहीं हैं तो आखिर बिल्डिंग हैंडओवर कैसे हुई और इसका लोकार्पण कैसे - क्यों कर दिया गया ? आखिर ऐसी कौन सी जल्दी थी ? लोकार्पण 15 दिन बाद भी तो काम पूरा हो जाने के बाद कराया जा सकता था। जवाब में बीएमओ डॉ प्रजापति ने बताया कि निर्माण एजेंसी और ठेकेदार ने लोकार्पण कराया है लेकिन मंत्री बागरी इस जवाब से असंतुष्ट नजर आईं। उन्होंने कहा कि इस मसले पर निर्माण एजेंसी के अधिकारियों और सीएमएचओ से जवाब तलब किया जाएगा।

बताया जाता है कि इस अस्पताल के नए भवन का लोकार्पण 10 जुलाई को आनन फानन में पूर्व मंत्री एवं नागौद विधायक नागेंद्र सिंह से कराया गया था। स्थानीय मंत्री होने के बावजूद इस लोकार्पण कार्यक्रम में न तो राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी को आमंत्रित ही किया गया था और न ही शिला पट्टिका में उनका नाम लिखा गया था। लोकार्पण के 10 दिन बाद शनिवार को राज्यमंत्री इसी बिल्डिंग और अस्पताल का निरीक्षण करने जा पहुंचीं और स्थितियां देख कर भड़क गईं।

एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत

मैहर में हुआ एक हजार पौधो का रोपण

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। कलेक्टर मैहर रानी बाटड के निर्देशन में एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत शनिवार को मैहर के एकलव्य आवासीय विद्यालय प्रांगण में वृहद रूप से पौधा रोपण किया गया। इस दौरान विधायक मैहर श्रीकांत चतुर्वेदी ने कहा कि एक पेड़ मां के नाम में अपनापन और स्नेह है जो प्रकृति को परिवार से जोड़ता है। जिस तरह हम मां की सेवा करते हैं उसी तरह हमें लगाए गए पौधों की सेवा करनी है। मध्यप्रदेश के पर्यावरण और धरती मां का श्रृंगार करना है। उन्होंने कहा कि पेड़ लगाना ही नहीं बल्कि इन पेड़ों की रक्षा और देखभाल करना भी हमारा कर्तव्य है इसलिए हम सभी संकल्प लेकर जाएं कि अपनी मां के नाम एक-एक वृक्ष लगाएंगे तथा उनकी सुरक्षा की व्यवस्था भी करेंगे। नगर पालिका अधिकारी लालजी ताम्रकार ने मैहर शहर वासियों से अपील की है कि नगरवासी यदि अपने घर के आस-पास पौधे लगाना चाहते हैं तो वे नगर पालिका में रजिस्ट्रेशन कराकर निःशुल्क रूप से पौधे प्राप्त कर सकते हैं। इस मौके पर कलेक्टर श्रीमती रानी बाटड, एसडीएम मैहर विकास सिंह, तहसीलदार जितेंद्र पटेल, नगर पालिका अध्यक्ष गीता संतोष सोनी, नगर पालिका अधिकारी लालजी ताम्रकार, जनप्रतिनिधि, समाज सेवी, स्कूली छात्र-छात्राओं एवं नगर के गणमान्य नागरिक ने पौधों का रोपण किया।

नाबालिग के साथ दुष्कर्म के आरोपी को उम्रकैद

अस्पताल में वार्ड बॉय ने घटना को दिया था अंजाम, अदालत ने 30 हजार जुर्माना भी लगाया

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। सतना के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल में पिता का इलाज कराने गई नाबालिग के साथ डॉक्टर के चेंबर में हुए दुष्कर्म के मामले में अदालत ने दुष्कर्मी वार्ड बॉय को उम्र कैद की सजा सुनाई है। उस पर 30 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है। सतना में पॉक्सो एक्ट की स्पेशल कोर्ट ने सतना जिला अस्पताल में कार्यरत वार्ड बॉय सुशील सेन तनय सुखराम सेन (35) निवासी ग्राम अमदरी थाना नागौद जिला सतना को दोषी करार दिया है। अदालत ने अभियुक्त को आईपीसी की धारा धारा 376(3) में 20 वर्ष के सश्रम कारावास व 10 हजार रुपए अर्थदंड, धारा 4 पॉक्सो एक्ट में 10 वर्ष के सश्रम कारावास व 10 हजार रुपए अर्थदंड एवं धारा 6 पॉक्सो एक्ट में 20 वर्ष के सश्रम कारावास एवं 10 हजार रुपए के जुर्माने की सजा सुनाई है। मामले में राज्य की ओर से सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी एडीपीओ हरिकृष्ण त्रिपाठी ने पैरवी की।

अभियोजन प्रवक्ता ने बताया कि गत 5 अप्रैल 2022 को वह अपने पिता के साथ दांत का इलाज कराने जिला अस्पताल गई थी। परीक्षण के बाद डॉ. अफसर अली ने उसे ब्लड टेस्ट कराने के लिए कहा था। ब्लड टेस्ट की रिपोर्ट दोपहर साढ़े 3 बजे मिली जिसे लेकर वह वापस अस्पताल के डेंटल डिपार्टमेंट में गई। उस वक्त वहां डॉ अफसर अली नहीं थे लेकिन दूसरे डॉक्टर मौजूद थे। उन्होंने रिपोर्ट देखी और उसे डॉ. अली को ही दिखाने की सलाह दी। पीड़िता चेंबर से बाहर आकर खड़ी थी। तभी सुशील सेन उसे मिला और उसने कहा कि 15 मिनट रुक जाइए, कुछ और जांच करनी है। कुछ समय बाद जब वे डॉक्टर भी वहां से चले गए तो आरोपी ने पीड़िता को अंदर बुलाया।

शादी का झांसा देकर नाबालिग का साल भर किया रेप

इंस्टाग्राम से शुरू हुई थी बातचीत, आरोपी गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। सतना शहर के सिटी कोतवाली क्षेत्र में रहने वाली एक नाबालिग को शादी का झांसा देकर उसके साथ एक वर्ष तक बलात्कार करने का मामला सामने आया है। दोनों का संपर्क इंस्टाग्राम के जरिए हुआ था। मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस के मुताबिक सिटी कोतवाली क्षेत्र में रहने वाली एक 16 वर्षीय नाबालिग लड़की को शादी का झांसा देकर उसके साथ जून 2023 से अब तक कई बार बलात्कार करने के मामले में आरोपी साहिल खान पिता बल्ले खान निवासी नूरी मस्जिद के पास नजीराबाद सतना को गिरफ्तार किया गया है। उसके विरुद्ध धारा 450 ,376 (3) ,376 (2) (एन) , 506 तथा पॉक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

पीड़िता ने शिकायत दर्ज कराते हुए पुलिस को बताया कि उसके माता पिता शहर में भोजन का ठेला लगाते हैं। आरोपी साहिल खान से उसका संपर्क डेढ़ साल पहले इंस्टाग्राम के जरिए हुआ था। दोनों में बातचीत भी होती थी।

पिछले साल 25 जून को अचानक साहिल उसके घर आ गया। उस वक्त माता-पिता घर पर नहीं थे। साहिल ने इसी बात का फायदा उठा कर बलात्कार किया और फिर किसी से कुछ भी न कहने की धमकी देते हुए शादी का वादा करने लगा।

इसके बाद वह कई बार उसे अपने साथ अपने घर भी ले गया और वहां भी दुष्कर्म करता रहा। गत 30 मई को साहिल उसे बाइपास रोड पर घुमाने के बहाने ले गया। उससे जब शादी की बात की गई तो वह मुकर गया। उसने धमकाते हुए कहा कि वह शादी नहीं करेगा और ज्यादा बोलने पर जान से मार देगा। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि वह इसके बाद डर कर अपनी नानी के घर चली गई और डेढ़ महीने तक वहीं रही। परिजनों ने जब उससे परेशान रहने और डरने का कारण पूछा तो उसने आपबीती सुनाई।

आकाशीय बिजली से बचने के तरीके

घर के अंदर वज्रपात से बचने के लिए क्या करें

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। यदि आप घर के अंदर हैं और बादलों की गड़गड़ाहट सुनाई देती है तो तत्काल सभी इलेक्ट्रिक एवं इलेक्ट्रिानिक उपकरणों के प्लग निकाल दें। केवल स्विच ऑफकरने से काम नहीं चलता। डिस्कनेक्शन जरूरी है।

खिड़कियां एवं दरवाजे बंद कर दें। खुले बरामदे और छत पर ना जाएं। ऐसी हर चीज से दूर रहें जहां करंट आने की संभावना है। रबर की स्लीपर या प्लास्टिक की चप्पल पहने। धातु से बने पाइप, नल, फव्वारा, वाश बेसिन आदि के संपर्क से दूर रहे।

घर के बाहर आकाशीय बिजली से बचने के लिए क्या करें।

वृक्ष बिजली को आकर्षित करते हैं। इसलिए मौसम खराब होने पर उनके पास ना जाएं। ऊंची इमारतों वाले क्षेत्र में आश्रय न लें। समूह में खड़े होने के बजाय अलग-अलग हो जाएं। किसी निर्मित भवन में आश्रय लेना बेहतर है।

यदि आप किसी वाहन में है तो मौसम खराब होने पर भी उसी में बने रहे। खुली छत वाले वाहन की सवारी न करें। धातु से बने वस्तुओं का उपयोग न करें।

बाइक, बिजली या टेलीफोन का खंभा तार की बाड़ और मशीन आदि से दूर रहें। तालाब और जलाशयों से दूर रहें। यदि आप पानी के भीतर हैं, अथवा किसी नाव में हैं तो तुरंत बाहर आ जाएं।

बज्रपात का पूर्वानुमान कैसे लगाएं: यदि आकाशीय बिजली चमक रही है और आपके सिर के बाल खड़े हो जाएं व त्वचा में झुनझुनी होने लगे तो फौरन नीचे झुककर कान बंद कर लें। क्योंकि यह इस बात का सूचक है कि आपके आसपास बिजली गिरने वाली है।

बज्रपात के शिकार व्यक्ति का प्राथमिक उपचार कैसे करें: बिजली का झटका लगने पर जरूरत के अनुसार व्यक्ति को सीपीआर, कार्डियो पल्मोनरी रेसिटेंशन यानि कृत्रिम सांस देनी चाहिए। तत्काल प्राथमिक चिकित्सा देने की व्यवस्था करनी चाहिए।

क्या मोबाइल फोन पर बिजली गिर सकती है: मोबाइल फोन एक इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस है और स्मार्टफोन में काफी पावरफुल एंटीना होता है जो तरंगों को अपनी और आकर्षित करता है।

तकनीकी विशेषज्ञ की सलाह देते हैं कि बादलों की गड़गड़ाहट होने पर यदि आप किसी ऐसे स्थान पर हैं जहां पर बिजली गिरने की संभावना है तो आपको तत्काल अपना मोबाइल फोन स्विच ऑफ कर देना चाहिए।

आकाशीय बिजली कब गिरती है: आकाशीय बिजली हमेशा धरती से ऊष्मा मिलने के बाद गिरती है। एक अध्ययन में पाया गया है कि जिन स्थानों पर आकाशीय बिजली गिरी, वहां घटना से पहले तापमान 36 डिग्री सेल्सियस से अधिक था।

यानी कि यदि आप किसी ऐसे स्थान पर हैं जहां पर उमस बहुत ज्यादा है और अचानक बादलों की गड़गड़ाहट शुरू हो जाती है तो समझ लीजिए कि आप खतरे में हैं।

संसद के होने वाले बजट सत्र में ही पुरानी पेंशन बहाली हेतु प्रधानमंत्री के साथ तीन मुख्यमंत्रियों को जिला प्रशासन के माध्यम से सौपा ज्ञापन

मीडिया ऑडीटर, रीवा निप्र। न्यू मूवमेंट फार ओल्ड पेंशन संघ के प्रदेश अध्यक्ष सतेन्द्र सिंह तिवारी के प्रदेश आह्वान पर 20 जुलाई 2024 को रीवा जिला अध्यक्ष नरेंद्र शुक्ला के नेतृत्व में एवं संभाग अध्यक्ष डॉ. बबलू प्रजापति के सहयोग से सैकड़ों एनपीएस अधिकारी कर्मचारियों ने 2004 से बंद की गई पुरानी पेंशन बहाली हेतु एनडीए के केन्द्रीय सरकार में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, बिहार मुख्यमंत्री नितीश कुमार, महाराष्ट्र मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, आन्ध्र प्रदेश मुख्यमंत्री चन्द्रबाबू नायडू को जिला कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर जिला प्रशासन के माध्यम से ज्ञापन सौप कर मांग किया है कि देश के एक करोड़ एनपीएस अधिकारी कर्मचारियों की एक ही मांग एनपीएस हटाकर ओपीएस लागू किया जाएं, एनपीएस में सुधार कर सरकार आंसू पोंछने से फायदा नहीं होने वाला है, स्पष्ट कहा है कि यदि तीस चालीस वर्षों तक सरकार की सेवाओं के देने के बावजूद भी सेवानिवृत्त होने पर एनपीएस शेयर बाजारू पेंशन सरकारी कर्मचारियों को दिया जा रहा है तो माननीय प्रधानमंत्री ऐसी पेंशन विधायक सांसदों को भी लागू करें, देश में दोहरा मापदंड क्यों अपनाया जा रहा है, एनडीए की सरकार में शामिल तीनों मुख्यमंत्री महोदयों से भी ज्ञापन भेजकर मांग किया है कि आपके सहयोग से वर्तमान में केन्द्र सरकार चल रही है,आप भी एक करोड़ एनपीएस अधिकारी कर्मचारियों की मांग को पूरा करवाने में सहयोग प्रदान करें, संघ व्दारा एस एफ पुलिस बल के भी विभागीय तथा अन्य विभागीय समस्याओं को लेकर भी स्थानीय मुद्दों को निराकरण करने हेतु मुख्यमंत्री मोहन यादव को ज्ञापन सौंपा है।

परीक्षा के परिणाम को बेहतर लाने का प्रयास करें : रानी बाटड

कलेक्टर ने लिए प्राचार्यो से सुझाव

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। मैहर कलेक्टर रानी बाटड की अध्यक्षता में जिले के शासकीय विद्यालय के प्राचार्यों की परीक्षा परिणाम संबंधित समीक्षा बैठक विवेकानंद महाविद्यालय के सभागार में आयोजित की गई। कलेक्टर ने हाई स्कूल और हाई सेकेंडरी में छात्रों के परीक्षा परिणाम का प्रतिशत को बढ़ाने के लिए उपस्थित प्राचार्यो से सुझाव चाहे गए। कलेक्टर ने कहा की सभी प्राचार्य और शिक्षक विद्यालय में समय के पहले उपस्थित हो और विद्यालय में प्रार्थना के बाद प्राचार्य द्वारा प्रतिदिन शिक्षको और छात्रों को पढ़ाई, अनुशासन और साफ सफाई के संबंध में उद्बोधन देना सुनिश्चित कर लें। बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी नीरव दीक्षित उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने कहा कि जिन विद्यालाओ के परीक्षा परिणाम 50 प्रतिशत से कम है, वो 80 प्रतिशत तक लायें। जिन विद्यालाओं का परीक्षा परिणाम 50 प्रतिशत से अधिक है वो 90 या 95 प्रतिशत का परीक्षा परिणाम लाने का प्रयास करे। विद्यालय में छात्र-छात्राओं के उपस्थित शत-प्रतिशत होना अनिवार्य है। विद्यालय में पाठक्रम इकाई बार खत्म करे। शिक्षक और प्राचार्य लगातार छात्रों के अभिभावक के संपर्क में रहे। सभी प्राचार्य त्रैमासिक परीक्षा परिणाम के आधार पर शाला बार सूची बना ले, प्रत्येक विद्यालय में मासिक परीक्षा का आयोजन करें। कलेक्टर ने अमरपाटन तहसील के परीक्षा परिणामों के सराहना करते हुए कहा कि मैहर के अपेक्षाकृत अमरपाटन का परीक्षा परिणाम का प्रतिशत अधिक है। कलेक्टर ने मैहर जिले के तीनों बीओ और बीआरसी को प्रतिदिन 5 विद्यालय का निरीक्षण करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि कई विद्यालय में प्राचार्य और शिक्षक के बीच आपसी तालमेल सही नही होने के कारण विवाद की स्थिति बनती है जिसे सुधारने की आवश्यकता है। सभी प्राचार्य चार बातों का ध्यान रखे कार्य योजना बनाए। आदेश आने के बाद अतिथि शिक्षको की भर्ती करना, बीओ निरीक्षण करें और शिक्षक नियमित रूप से उपस्थित रहे।

सामान्य भविष्य निधि वार्षिक लेखा विवरण वेबसाइट पर अपलोड

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। कार्यालय प्रधान महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी), द्वितीय, मध्यप्रदेश, ग्वालियर द्वारा मध्यप्रदेश राज्य के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के सामान्य भविष्य निधि लेखाओं के वर्ष 2023-24 के वार्षिक लेखा विवरण कार्यालय की वेबसाइट ूंहउचण्दपबण्पद पर उपलब्ध करा दिया गया है। अभिदाता अपनी सीरीज प्रविष्टी करके तथा एकाउन्ड नम्बर कॉलम में अपना सामान्य भविष्य निधि लेखा क्रमांक तथा पासवर्ड प्रविष्टी करके लेखा विवरण प्राप्त कर सकते है।

लेखा विवरणों में किसी भी विसंगति के ऑनलाइन सुधार के लिये अथवा अन्य शिकायत के लिये अभिदाता सत्यापित विवरण सहित वेबसाइट पर अपनी शिकायत दर्ज कर सकते है। शिकायत का निराकरण एक माह के अंदर प्रधान महालेखाकार की निगरानी में किया जाता है। अभिदाता अपनी शिकायत दूरभाष क्रमांक 0751-2432457 एवं व्हाट्सएप नं. 8827409410 पर भी कर सकते है। सामान्य भविष्य निधि से संबंधित प्रायः पूछे जाने वाले प्रश्न, आवश्यक आवेदन प्रारूप एवं अन्य फार्म भी कार्यालय की वेबसाईट पर उपलब्ध है।

एडिप योजनांतर्गत दिव्यांगजनों को परीक्षण हेतु शिविर 22 को मैहर में

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। हाउसिंग एण्ड अरवन डेपलपमेंट कार्पोरेशन (हुडको) के नियमित सामाजिक (सीएसआर) योजनान्तर्गत भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एलिम्को) जबलपुर द्वारा मैहर जिले के दिव्यांगजनों को निःशुल्क सहायक उपकरण व कैलिपर्स एवं कृत्रिम अंग प्रदाय करने हेतु शिविर आयोजित किये जायेंगे।

मैहर कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट रानी बाटड के निर्देशन में दिव्यांगों को उपकरणों के लिए पात्रता का परीक्षण करने तीन दिवसीय मूल्यांकन शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें 22 जुलाई को जनपद पंचायत मैहर, 23 जुलाई को जनपद पंचायत अमरपाटन तथा 25 जुलाई को जनपद पंचायत रामनगर में शिविर आयोजित किये जायेंगे। दिव्यांगजन परीक्षण शिविर में दस्तावेज के साथ उपस्थित रहेंगे। शिविर में फोटो, आधारकार्ड, दिव्यांग प्रमाण पत्र (यूडीआईडी कार्ड) 40 प्रतिशत या उससे अधिक अन्य सहायक उपकरण, 80 प्रतिशत या उससे अधिक मोटराईज्ड ट्रायसिकल के लिए, 100 प्रतिशत दिव्यांगता नेत्रहीन दिव्यांगों के लिए (सुगम्य केन एवं स्मार्ट फोन) के लिए समग्र आईडी, बीपीएल राशनकार्ड या आय प्रमाण पत्र तथा आवासीय प्रमाण पत्र साथ लाना अनिवार्य है।

जिले में अब तक 186.5 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। जिले में इस वर्ष 1 जून से 20 जुलाई 2024 तक 186.5 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। अधीक्षक भू-अभिलेख सतना से प्राप्त जानकारी के अनुसार अब तक जिले की सतना (रघुराजनगर) तहसील में 341.1 मि.मी., सोहावल (रघुराजनगर) में 128.3 मि.मी., बरौंधा (मझगवां) में 155.5 मि.मी, बिरसिंहपुर में 193 मि.मी., रामपुर बाघेलान में 82.5 मि.मी., नागौद में 180.5 मि.मी., जसो (नागौद) में 96.9 मि.मी. एवं उचेहरा में 314 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई है। जिले की औसत सामान्य वर्षा 891.7 मि.मी. है। गत वर्ष इस अवधि में 209.3 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई थी।

रामवन में हरियाली महोत्सव आज

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र।सतना जिले के सुप्रसिद्ध स्थल रामवन में 21 जुलाई को हरियाली महोत्सव मनाया जा रहा है। रामवन परिसर में शाम 4 बजे से आयोजित कार्यक्रम में म.प्र. शासन के उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल मुख्य अतिथि होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सतना सांसद गणेश सिंह करेंगे। राज्य शासन की नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी और विधायक रामपुर बघेलान विक्रम सिंह विशिष्ट अतिथि रहेंगे। कार्यक्रम का आयोजन मानस संघ रामवन द्वारा किया जा रहा है।

राज्यमंत्री बागरी ने किये खैरूआ सरकार के दर्शन

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। म.प्र. शासन की नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी के जन्म दिवस के अवसर पर शनिवार को नागौद के समीप प्रसिद्ध धार्मिक स्थल खैरूआ सरकार हनुमान जी मंदिर में सुंदरकांड का पाठ और विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इस मौके पर राज्यमंत्री बागरी ने खैरूआ सरकार के दर्शन और पूजा अर्चना की। खैरूआ सरकार धाम में आयोजित इस कार्यक्रम में सतना-मैहर-पन्ना जिले के जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, पंचायत प्रतिनिधियों, कार्यकर्ताओं, गणमान्य नागरिकों और क्षेत्रीय ग्रामीणजनों ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर हिस्सा लिया और राज्यमंत्री बागरी को जन्म दिवस की शुभकामनायें दी।

राज्यमंत्री ने किया नागौद अस्पताल में फल वितरण: नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी ने शनिवार को नागौद के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचकर मरीजों को फल वितरित किये। इस दौरान उन्होंने मरीजों से कुशलक्षेम पूछते हुए उनके इलाज एवं दवा वितरण व्यवस्था की जानकारी भी ली।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।